प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को 1700 करोड़ से ज्यादा का सौगात देने पहुंचे हैं। इन सौगातों में सबसे बड़ी योजना है, अक्षय पात्र रसोई की हैं।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 205 दिनांक:08-07-2022 शुक्रवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान गुरुवार को डॉक्टर गुरप्रीत कौर के साथ शादी के बंधन में बंध चुके हैं। चंडीगढ़ स्थित आवास पर हुएशादी समारोह मेंराज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल हुए।

50 से अधिक मंत्रियों की बगावत के बाद हारे जानसन, दिया पीएम पद से इस्तीफा

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में राजनीतिक हलचल के बीच प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने इस्तीफा दे दिया है। कई स्थानीय मीडिया आउटलेट्स ने इसकी जानकारी दी है। बता दें कि प्रधानमंत्री जानसन चार शीर्ष मंत्रियों के इस्तीफे और अपने ही सांसदों द्वारा विद्रोह के बावजूद ब्रिटेन की सत्ता न छोड़ने पर अड़े हुए थे। वहीं 50 से अधिक मंत्रियों ने 48 घंटों से भी कम समय में सरकार छोड़ दी थी। सभी ने यह कहते हुए जानसन का साथ छोड़ा है कि वे कई घोटालों के बाद पीएम बनने के लायक नहीं हैं। बात दें कि अक्टूबर में नया पीएम चुना जाएगा।

जानसन को 50 से अधिक मंत्रियों के सरकार छोड़ने के लिए कहने के बाद जानसन ने हार मान ली। अभी यह स्पष्ट भी नहीं था कि क्या वह पद पर बने रहने वाले हैं, या नहीं, इस बीच कंजर्वेटिव पार्टी ने एक नया नेता चुन भी लिया जो उनकी जगह लेगा। ब्रिटेन की लेबर पार्टी के नेता कीर स्टारर ने जानसन के इस्तीफे के बाद बयान जारी किया है। कीर ने कहा कि यह देश के लिए अच्छी खबर है कि बोरिस जानसन ने प्रधानमंत्री के रूप में इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि दो दिनों से जानसन पर उनकी पार्टी के नेता और मंत्री ही उनपर इस्तीफा देने के लिए दबाव बना रहे थे। बता दें कि जानसन के खिलाफ बगावत की शुरुआत तब हुई जब क्रिस पिंचर की नियुक्ति की गई। इसी साल फरवरी में क्रिस पिंचर को कंजर्वेटिव पार्टी के डिप्टी चीफ व्हिप के तौर पर नियुक्त किया गया था। पिंचर पर यौन दुराचार के आरोप के चलते यह बगावत हुई। उनपर लंदन के एक क्लब में दो युवकों को छेड़ने का आरोप लगा था। हालांकि एक रिपोर्ट के आने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था।

कर्नाटक: छोटी बहस ने लिया सांप्रदायिक हिंसा की रूप, शुक्रवार तक बड़ी सभाओं पर पाबंदी

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक के केरूर में दो अलग-अलग समुदायों के दो समूहों के बीच शुरू हुई छोटी-सी बहस ने सांप्रदायिक हिंसा का रूप ले लिया। इस हिंसा में चार लोग घायल हो गए। वहीं एक समुदाय की दुकानों और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। पुलिस ने बताया कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है लेकिन एहतियात के तौर पर शुक्रवार तक बड़ी सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक स्कूल और कॉलेज भी बंद कर दिए गए हैं। बागलकोट के केरूर में बुधवार शाम दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। एक पक्ष ने एक दूसरे पर महिलाओं को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। इसी बात को लेकर बहस शुरू हुई और बढ़ते-बढ़ते मामला सांप्रदायिक हिंसा तक पहुंच गया। घायल हुए चार लोगों में से तीन एक समुदाय के थे और दूसरा अन्य समुदाय से है। सभी घायलों की हालत स्थिर है। पूरे इलाके में पुलिस बल तैनात है और माहौल फिलहाल शांत है।

शार्टकट से देश का भला नहीं हो सकता-मोदी

वाराणसी (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को 1700 करोड़ से ज्यादा की योजनाओं की सौगात दी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने मुझे अपना सांसद बनाकर सेवा का मौका दिया है। जब आप कोई अच्छा काम करते हैं तो मेरा आनंद और बढ़ जाता है। काशी के जागरूक नागरिकों से जिस तरह से मेरा साथ दिया है, उससे बेहद आनंदित हूं। यहां के लोगों ने पूरी दुनिया को शानदार संदेश दिया है। दुनिया को बताया है कि शार्टकट से देश का भला नहीं हो सकता। कुछ नेताओं का भला हो सकता है। लेकिन न जनता का भला होता है और न ही देश का भला होता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि काशी में एक कहावत है कि यहां सात वार और नौ त्योहार होला...यानी यहां रोज नया त्योहार मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि काशी ने एक ऐसी तस्वीर देश को दिखाई है जिसमें विरासत भी है और विकास भी है। ऐसी विरासत जिसे भव्य, दिव्य और नव्य बनाने का काम लगातार जारी है। ऐसा विकास जो काशी की सड़कों, गलियों, कुंडों, घाटों और रेलवे स्टेशन से लेकर एयरपोर्ट तक में निरंतर गतिमान है। उन्होंने कहा कि काशी में एक प्रोजेक्ट खत्म होता है तो चार नए शुरू हो जाते हैं। आज भी यहां 1700 करोड़ रुपये से अधिक के दर्जनों प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। काशी में सड़क, बिजली, पानी, स्वच्छता और सुंदरीकरण से जुड़ी हजारों करोड़ की परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। हजारों करोड़ की परियोजनाओं पर काम जारी है। उन्होंने कहा कि जब गरीबों को घर, पानी, बिजली, टायलेट जैसी सुविधाएं मिलती हैं। नाविकों, बुनकरों, रेहड़ी, पटरी वालों को लाभ मिलता है तो विकास संवेदनशील होता है। आज जो लोकार्पण और शिलान्यास हुए। उनमें गतिशीलता, प्रगतिशीलता और आधुनिकता है।

भारी बारिश ने महाराष्ट्र के कई जिलों में मचाया कोहराम, मुंबई-ठाणे में रेड अलर्ट

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण राज्य के कई इलाकों में कोहराम मचा है। यहां लगातार छह दिनों से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आगामी पांच दिन तक राज्य में मॉनसून के सर्वाधिक सक्रिय रहने का अनुमान लगाया है।4 इसका सबसे अधिक असर कोकण और मध्य महाराष्ट्र पर पड़ेगा। इस दौरान कोकण और मध्य महाराष्ट्र में भारी बारिश के साथ विदर्भ, मराठवाडा में भी तेज बारिश हो सकती है। रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग में 9 जुलाई तक रेड अलर्ट जारी किया गया है वहीं पालघर, पुणे, कोल्हापुर और सतारा में 8 जुलाई तक रेड अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई और ठाणे 10 जुलाई तक ऑरेंज अलर्ट पर हैं। आईएमडी ने मुंबई, ठाणे, पालघर और आसपास भी आगामी अगले कुछ दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बुधवार को सांताक्रुज वेदर ब्यूरो में 193 एमएम और कोलाबा में 84 एमएम बारिश दर्ज की गई। इस मॉनसून सीजन में अब तक सांताक्रुज में कुल 926 एमएम और कोलाबा में 842 एमएम बारिश दर्ज की गई है। मॉनसून के जोर पकड़ते ही तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। सांताक्रुज में अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि कोलाबा में अधिकतम 27 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

मूसलाधार बारिश से ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरों तक की सड़कों पर चार-चार फीट पानी भर जाने से यातायात पूरी तरह ठप रहा। नदी-नाले उफान पर हैं और कई गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति देखने को मिली। बुधवार को सड़कों से ऑटो रिक्शे गायब रहे। इस वजह से लोगों को घुटने तक के पानी मे पैदल ही स्टेशन आना पड़ा। वसई-विरार के निचले इलाकों में भारी जलभराव से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दुकानों व घरों में पानी घुसने से लोगों का काफी नुकसान हुआ है। मनपा ने अधिक जलभराव वाले क्षेत्रों में पंप लगाए हैं। लेकिन उससे भी कोई फायदा नहीं मिला। लगातार तेज बारिश की वजह से पानी कम नहीं हो रहा है। वसई, नालासोपारा व विरार की कई हाई प्रोफाइल सोसायटियों में दो-दो फीट पानी भर गया है। बारिश की वजह से सायन के चूनाभट्टी एरिया में हुए भूस्खलन में तीन लोग घायल हो गए। चूनाभट्टी में स्वदेशी मिल के पास नागोबा चौक पर भूस्खलन हुआ, जिसकी चपेट में एक मंजिला झोपड़पट्टी आग गई, जिसकी वजह से एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए। घायलों में शुभम सोनवणे (15), प्रकाश सोनवणे (40) और सुरेखा वीरकर (20) शामिल हैं। हादसे में प्रकाश सोनवणे घायल हो गए और वीरकर के सिर पर चोट लगी। तीनों घायलों को सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

शाह की अध्यक्षता में होगी आठ राज्यों की बैठक, आंतरिक सुरक्षा के अहम मुद्दे पर बात होगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर भारत के आठ महत्वपूर्ण राज्यों के बीच अहम मुद्दों को समझने और सुलझाने पर विमर्श के लिए उत्तर क्षेत्रीय परिषद की बैठक नौ जुलाई को जयपुर में होगी है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित राज्यों के उप राज्यपाल शामिल हो रहे हैं।

बैठक में आंतरिक सुरक्षा के अहम मुद्दे पर बात होगी। हाल ही में उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल की बर्बर हत्या के बाद यह बैठक अहम मानी जा रही है। घटना की जांच एनआईए कर रही है। राजस्थान की एसआइटी, एटीएस और एसओजी घटना की आतंकी कनेक्शन के एंगिल से भी जांच कर रही हैं। राजस्थान में बीते कुछ समय में करौली, जोधपुर, भीलवाड़ा और भरतपुर में सांप्रदायिक तनाव की घटनाएं हो चुकी हैं। गौरतलब है कि क्षेत्रीय परिषदों में विचार-विमर्श के बाद आंतरिक सुरक्षा, तटीय सुरक्षा, महानगर पुलिस व्यवस्था, संबंधित राज्यों द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर जानकारी का आदान-प्रदान, जेल सुधार, सांप्रदायिक सौहार्द्र तथा महिलाओं एवं बच्चों की तस्करी जैसी सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का समाधान को भी शामिल किया गया है।

वहीं बैठक में राजस्थान सरकार भाखड़ा व्यास मैनेजमेंट बोर्ड में राजस्थान को सदस्य बनाने और पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर 13 जिलों में सिंचाई एवं पेयजल की आपूर्ति करने के मुद्दे प्रमुखता से उठाएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कोयले की कमी से बिजली उत्पादन में गिरावट और सुरक्षा के मामले को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से अलग से बात करने का प्रयास करने वाले हैं। पंजाब सरकार अपने हिस्से की सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर का निर्माण नहीं कर रही है। हरियाणा मांग करेगा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को लागू कराने के लिए केंद्र एक केंद्रीय एजेंसी नियुक्त करे। हरियाणा का अलग हाई कोर्ट, चंडीगढ़ यूटी के प्रशासक पद पर पंजाब की तरह हरियाणा के राज्यपाल की नियुक्ति और चंडीगढ़ पर पंजाब के दावे को खारिज करने के मुद्दे भी उठाए जाएंगे।

बैठक में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले दुष्कर्म तथा अन्य यौन अपराधों में त्वरित जांच व पोक्सो एक्ट से जुड़े मामलों में त्वरित सुनवाई के लिए एफटीएससी योजना के जल्द क्रियान्वयन पर प्रमुखता से बात होगी। मोबाइल सिम कार्ड लेने, बैंक खाता खोलने और इंटरनेट मीडिया की चुनौतियों से निपटने के लिए फिजिकल वेरिफिकेशन की मांग भी दिल्ली सरकार कर सकती है। पराली की समस्या, रेणुका, लखवार और किशाऊ बांध परियोजना के तहत हुए समझौते में दिल्ली को उसके हिस्से का पूरा पानी मिलने की बात भी उठाई जा सकती है। पंजाब फिर से राजस्थान की सीमा से होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी का मामला उठा सकता है। वह हरियाणा के साथ एसवाईएल, चंडीगढ़ राजधानी और नदी जल समझौतों से जुड़े मामले भी उठा सकता है। पंजाब अपने यहां के उद्योग बचाने के लिए पहाड़ी राज्यों कीं तर्ज पर करों में छूट मांग सकता है।

पंजाब और हरियाणा सुखना वाइल्डलाइफ सेंक्चुरी के इको सेंसटिव जोन को अधिसूचित नहीं कर रहे हैं। सेंक्चुरी का 90 प्रतिशत क्षेत्र पंजाब और हरियाणा के दायरे में आता है। यहां अवैध निर्माण होता रहा है। हिमाचल का मानना है कि लद्दाख ने लाहुल-स्पीति और हरियाणा ने सोलन जिला के परवाणू में कुछ भाग पर कब्जा कर रखा है। यह मामला वह प्रमुखता से उठाएगा।

एकनाथ शिंदे के मंत्रिमंडल में 38 मंत्रियों के होने की संभावना, इनमें 25 भाजपा के होंगे

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मंत्रिमंडल में 38 मंत्रियों के होने की संभावना है, जिनमें से भाजपा के 25, एकनाथ शिंदे की शिवसेना के 13 मंत्री होंगे। मुख्यमंत्री और उनके उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अलावा अधिकांश मंत्री नए होंगे। सूत्रों का कहना है कि बीजेपी अगले महाराष्ट्र चुनाव से पहले नए चेहरों को परखना चाहती है।

सूत्रों का कहना है कि 'शिंदे सेना' और भाजपा के बीच फॉर्मुले को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक-शिवसेना को हर तीन विधायकों के लिए एक मंत्रालय मिलेगा और बीजेपी को हर चार विधायकों के लिए एक पद मिलेगा। शिंदे सहित 16 विधायकों की संभावित अयोग्यता पर 11 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा विद्रोही खेमे से 16 विधायकों को भेजे गए अयोग्यता नोटिस की वैधता पर फैसला करेगी,जो अब दावा करती है कि वे असली सेना है, क्योंकि टीम ठाकरे अल्पसंख्यक है।

लालू यादव के बेहतर स्वास्थ्य के लिए हवन पूजन और दुआएं

पटना (ईएमएस)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के प्रशंसक और राजद कार्यकर्ता उनके स्वस्थ्य कोलेकर काफी चिंतित हैं। उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए हर कोई कामना कर रहा है। कहीं पर उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए हवन पूजन किया जा रहा है तो कहीं पर उनकी सलामती के लिए दुआ की जा रही है। जहानाबाद के छात्र राजद कार्यकर्ताओं ने भी हवन के जरिये लालू प्रसाद यादव के जल्द स्वस्थ होने और लंबी उम्र की कामना की है।

जहानाबाद में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने माता मंडेश्वरी मंदिर में हवन और पूजन किया। इस दौरान कार्यकर्ता लालू प्रसाद यादव की तस्वीरों वाले पोस्टर लिए नजर आए। साथ ही सभी ने लालू प्रसाद यादव के जल्द स्वास्थ्य होने की कामना की।

लालू प्रसाद यादव इन दिनों बीमार चल रहे हैं। पटना के पारस हॉस्पिटल से उन्हें बेहतर सुविधा के लिए दिल्ली एम्स शिफ्ट किया गया है। इससे सभी कार्यकर्ता काफी चिंतित और परेशान हैं।

कन्हैयालाल की हत्या के दोनों आरोपियों के खिलाफ बरेलवी उलेमाओं ने फतवा जारी किया

बरेली (ईएमएस)। राजस्थान के उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल की हत्या पर बरेलवी उलेमाओं ने कड़ा रुक्त इख्तियार किया है। विश्व प्रसिद्ध दरगाह आला हजरत के प्रचारक मौलाना शहाबुद्दीन ने कन्हैयालाल के हत्यारों के खिलाफ फतवा जारी किया है। फतवे में कहा है, कि जो शख्स किसी का कल्त करे वो शरीयत की रौशनी में मुजरिम और सजा का काबिल है। कानून को हाथ में लेने वाला गुनहगार है। सजा देने का अधिकार सिर्फ कानून को है।

गुरुवार को तंजीम उलमा-ए-इस्लाम ने बैठक कर घटना के तमाम पहलुओं को शरीयत की रौशनी में जांचने व परखने की कोशिश की। चूंकि ये घटना इस्लाम के नाम पर की गई है, इसलिए इस्लाम के रहनुमाओं को आगे आकर शरीयत की बताई हुई शिक्षा को सही अंदाज में जनता के सामने पेश करने की जरूरत थी। उलमा ने सर्वसम्मती से फतवा जारी करके घटना को अंजाम देने वाले दोनों मुस्लिम कातिलों को शरीयत की अदालत में मुजरिम करार देकर इन दोनों के खिलाफ फतवा जारी किया है।

उद्धव ठाकरे को एक और बड़ा झटका ठाणे नगर निगम के 66 पार्षद शिंदे खेमे में हुए शामिल

मुम्बई (ईएमएस)। शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे को लगातार लग रहे झटकों के बीच अब ठाणे नगर निगम टीएमसी पर से भी उनका कब्जा खत्म हो गया है। ठाणे नगर निगम के शिवसेना के 66 पार्षद एकनाथ शिंदे खेमे में शामिल हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक इन सभी 66 बागी पार्षदों ने बुधवार देर रात महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके आवास पर मुलाकात की थी। शिवसेना के 67 पार्षदों में से 66 के दल-बदल करने के साथ ही उद्धव ठाकरे का ठाणे नगर निगम (टीएमसी) पर से नियंत्रण खत्म हो गया है। महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई नगर निगम के बाद ठाणे नगर निगम सबसे महत्वपूर्ण नागरिक निकाय है। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के खिलाफ वरिष्ठ नेता एकनाथ शिंदे द्वारा शुरू की गई बगावत के बाद उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। जिससे महाराष्ट्र में तीन-दलों की महा विकास अघाड़ी सरकार 29 जून को गिर गई। उद्धव ठाकरे के इस्तीफा देने के एक दिन बाद शिवसेना के 40 बागी विधायकों और निर्दलीय विधायकों के समर्थन से एकनाथ शिंदे ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जबकि भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ली।बहरहाल इसके बावजूद शिवसेना का सियासी संकट अभी खत्म होता नहीं दिख रहा है। उद्धव के वफादार और शिंदे गुट दोनों का दावा है कि उनका गुट ही मूल शिवसेना का प्रतिनिधित्व करता है। दोनों गुट पार्टी के 'धनुष और तीर' के निशान पर कब्जा हासिल करने के लिए भी दावे कर रहे हैं।

'पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया' के कार्यकारी निदेशक सहित टाटा प्रोजेक्ट्स के पांच अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने टाटा प्रोजेक्ट्स से जुड़े रिश्वत मामले में 'पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया' के कार्यकारी निदेशक बी।एस। झा सहित निजी कंपनी (टाटा प्रोजेक्ट्स) के पांच अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किये गये निजी कंपनी के अधिकारियों में उसके कार्यकारी उपाध्यक्ष देशराज पाठक और सहायक उपाध्यक्ष आर।एन। सिंह शामिल हैं। यह मामला निजी कंपनी को लाभ पहुंचाने के एवज में कथित रिश्वत लेने से संबद्ध है।

सीबीआई ने बुधवार को 11 स्थानों पर चलाए गए तलाशी अभियान के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह अभियान बृहस्पतिवार को भी जारी रहा और इस दौरान झा के गुरुग्राम परिसर से 93 लाख रुपये नकद बरामद किये गए। अधिकारियों ने बताया कि झा वर्तमान में ईटानगर में पदस्थ हैं।

उन्होंने बताया कि सीबीआई झा पर नजर रख रही थी और इसी दौरान सूचना मिली कि झा विभिन्न कार्यों के लिए टाटा प्रोजेक्ट्स और अन्य कंपनियों के अधिकारियों से रिश्वत ले रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि जांच एजेंसी के अधिकारियों ने अवैध रकम के लेन-देन वाले स्थान पर छापेमारी कर बुधवार को आरोपियों को गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि टाटा प्रोजेक्ट्स को विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित पूर्वोत्तर क्षेत्र विद्युत प्रणाली सुधार परियोजना के तहत अनुबंध दिया गया था। यह पूर्वोत्तर क्षेत्र के बिजली बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए एक व्यापक योजना है।

अधिकारियों ने कहा कि कंपनी इस योजना के तहत सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश क्षेत्र में काम कर रही है।

टाटा प्रोजेक्ट्स के एक प्रवक्ता ने कहा, ''हम अपने सभी व्यापारिक लेनदेन में सख्त मानदंडों का पालन करते हैं और इससे किसी भी तरह का समझौता नहीं करते। हम संबंधित जांच अधिकारियों को अपना पूरा समर्थन देंगे।''

उन्होंने बताया कि सभी छह आरोपियों को बृहस्पतिवार को पंचकूला (हरियाणा) की एक अदालत में पेश किया जाएगा।

जुबैर की गिरफ्तारी को लेकर भारत ने जर्मन विदेश मंत्रालय की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त कीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑल्ट न्यूज़ के को-फाउंडर मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी को लेकर भारत ने जर्मन विदेश मंत्रालय की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भारत सरकार ने इ4से ठएक आंतरिक मुद्दाठ बताया। सरकार ने कहा कि यह मामला अदालत में चल रहा है, ऐसे में इस पर कोई टिप्पणी करने की आवश्यकता नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, ठयह हमारा आंतरिक मामला है। मामला अदालत में चल रहा है। हमारी कानूनी व्यवस्था स्वतंत्र है और फिलहाल इस पर कोई भी टिप्पणी अनुपयोगी होगी।

बता दें कि जर्मन विदेश मंत्रालय ने मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी पर तीखे शब्दों का इस्तेमाल किया था। जर्मन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था, पत्रकारों को उनके कहने और लिखने के लिए सताया और कैद नहीं किया जाना चाहिए। हम वास्तव में इस विशिष्ट मामले से अवगत हैं और नई दिल्ली में हमारा दूतावास इसकी बहुत बारीकी से निगरानी कर रहा है। जर्मन दूतावास ने कहा था कि यूरोपीय संघ की भारत के साथ मानवाधिकार वार्ता चल रही है। ठअभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रेस की स्वतंत्रताठ उन चर्चाओं का केंद्र बिंदु है। जर्मन प्रवक्ता ने कहा था, ठभारत खुद को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बताता है। इसलिए कोई भी उम्मीद कर सकता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रेस की स्वतंत्रता जैसे लोकतांत्रिक मूल्यों को वहां आवश्यक स्थान दिया जाएगा।ठ

फ़ैक्ट-चेक वेबसाइट ऑल्ट न्यूज़ के कोफ़ाउंडर मोहम्मद जुबैर को 27 जून को 2018 में किए गये एक विवादित ट्वीट के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जुबैर के खिलाफ उत्तरप्रदेश के सीतापुर में भी एक और मामला दर्ज किया गया। 4 जुलाई को मोहम्मद ज़ुबैर को दिल्ली पुलिस ने सीतापुर की एक अदालत में पेश किया। वहां से अदालत ने जुबैर को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिल्ली पुलिस बाद में जुबैर को वापस दिल्ली ले गई। बता दें कि मोहम्मद ज़ुबैर 27 जून से दिल्ली पुलिस की गिरफ्त में हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा से किए गए वादे के मुताबिक एमएसपी पर तत्काल समिति गठित करे सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के बारे में नीति आयोग के सदस्य के बयान को लेकर गुरुवार को आरोप लगाया कि यह किसानों को सरकार द्वारा दिए गए 'विश्वासघात के घाव' पर नमक रगड़ने की तरह है। पार्टी सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने मोदी सरकार से आग्रह भी किया कि सरकार को संयुक्त किसान मोर्चा से किए गए वादे के मुताबिक एमएसपी पर तत्काल समिति गठित करनी चाहिए और देश में चल रहे 'अनाज संकट पर श्वेत पत्र लाना चाहिए। हुड्डा ने दावा किया कि देश में 'अनाज संकट' है, क्योंकि बड़े पैमाने पर गेहूं निर्यात किया गया और कई भाजपा शासित राज्यों ने भी केंद्र सरकार से गेहूं की मांग की है। उन्होंने एमएसपी की कानूनी गारंटी देने की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस, सरकार के 'विश्वासघात' के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों का नैतिक समर्थन करती है।

संयुक्त किसान मोर्चा ने पिछले दिनों कहा था कि सरकार द्वारा इस कथित ''विश्वासघात'' के विरोध में, 18 जुलाई को संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से 31 जुलाई -शहीद ऊधम सिंह के शहादत दिवस तक, देशभर में जिला स्तर पर ''विश्वासघात के खिलाफ विरोध'' जनसभाओं का आयोजन होगा। हुड्डा ने कहा, ''संयुक्त किसान मोर्चा के साथ जो समझौता हुआ था कि उसके तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर समिति बननी चाहिए थी। अब तक अजय कुमार मिश्रा को मंत्री से हटाया भी नहीं गया। यह विश्वासघात है।'' उन्होंने नीति आयोग के सदस्य के बयान का हवाला देकर कहा कि यह किसानों को दिए गए 'विश्वासघात के घाव' पर नमक रगड़ना है।

उल्लेखनीय है कि नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने कहा कि कृषि फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था तब तक जारी रहना चाहिए जब तक कि बाजार प्रतिस्पर्धी और कुशल न हो जाए, लेकिन इसे खरीद के अलावा अन्य किसी माध्यम से दिया जाना चाहिए। एमएसपी के विषय को लेकर हुड्डा ने दावा किया, ''28 मार्च को सरकार की तरफ से संयुक्त किसान मोर्चा के लोगों के पास फोन आया था कि समिति के लिए दो-तीन नाम दे दो। मोर्चा की तरफ से पूछा गया कि समिति को बनाने का मानदंड और अधिकार क्षेत्र क्या होगा? सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया। सरकार ने धोखा दिया है।'' उन्होंने कहा, ''वादा था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुना की जाएगी, लेकिन यह तो हुआ नहीं, बल्कि किसानों का कर्ज और खर्च बढ़ गया। अब भाजपा के लोग किसानों की आय दोगुनी करने की बात ही नहीं करते। यह बड़ा धोखा किया गया है।'' हुड्डा ने सरकार से आग्रह किया, तत्काल एमएसपी पर समिति का गठन हो।

कार्टून कोना

भारत ने चीन से पूर्वी लद्दाख सीमावर्ती क्षेत्र में एलएसी से पीछे हटने का आग्रह किया

विदेश मंत्री ने चीनी विदेश मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने चीन से पूर्वी लद्दाख सीमावर्ती क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से सेनाओं को आमने-सामने से हटाने को लेकर लंबित मुद्दों को तुरंत सुलझाने का आग्रह कर कहा कि भारत-चीन संबंधों में तीन प्रकार की परस्परता-परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता एवं पारस्परिक हितों का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर गुरुवार को चीन के स्टेट काउंसलर एवं विदेश मंत्री वांग यी से भेंट की। जिसमें डॉ. जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर लंबित मुद्दों का त्वरित समाधान का आह्वान किया। उन्होंने कुछ इलाकों में सेनाओं से आमने सामने से हटाने के निर्णय के क्रियान्वयन का हवाला देकर सभी बकाया मोर्चों से सेनाओं की पूर्ण वापसी की जरूरत पर बल दिया ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता कायम हो सके।

डॉ. जयशंकर ने दोनों मंत्रियों के बीच पिछली वार्ताओं में बनी सहमति के पूर्णतः पालन की अहमियत पर बल दिया। इस संबंध में दोनों मंत्रियों ने कहा कि दोनों पक्षों के सैन्य एवं कूटनीतिक अधिकारियों को नियमित संपर्क में रहना चाहिए। उन्होंने अगले दौर की सीनियर कमांडर स्तर की बैठक किसी नजदीकी तिथि को बुलाने की अपेक्षा व्यक्त की।

डॉ. जयशंकर ने वांग यी ने मार्च में दिल्ली में हुई मुलाकात को यादकर उसके बाद प्रमुख मुद्दों पर हुई प्रगति की समीक्षा की। जिसमें भारतीय छात्रों की चीन के शिक्षण संस्थानों में वापसी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों को वापसी की प्रक्रिया तेज होनी चाहिए। दोनों मंत्रियों ने अन्य क्षेत्रीय एवं वैश्विक गतिविधियों पर भी वैचारिक आदान प्रदान किया। वांग यी ने ब्रिक्स की चीन की अध्यक्षता में भारत के सहयोग की सराहना की और जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की भारत की अध्यक्षता को चीन की ओर से पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने एक दूसरे के नियमित संपर्क में रहने पर भी सहमति जाहिर की।

राजस्थान के दौसा के सामान्य परिवार की बेटी डॉ.बीना नासा में बनी वैज्ञानिक

दौसा (ईएमएस)। राजस्थान के दौसा की बेटी डॉ.बीना मीणा नासा में साइंटिस्ट बनी हैं। सिकराय उपखंड के कोरड़ा कलां की बेटी डॉ.बीना का अमरीका के अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र नासा में वैज्ञानिक पद पर चयन हुआ है। नासा में उनके चयन के बाद उनके गांव सहित आस-पास के इलाकों में खुशी का माहौल है। डॉ. बीना कोरड़ा कंला गांव के नारायण लाल मीणा की बेटी हैं। जानकारी के मुताबिक डॉ बीना ने अमेरिका के जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी एटलांटा से 2018-22 में डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स एंड एस्ट्रोनॉमी में अपनी पीएचडी पूरी की। इनके रिसर्च में फील्ड अनुसंधान क्षेत्र में सक्रिय आकाश गंगाओं के सुपरमैसिव ब्लैक होल, बहिर्वाह और घूर्णी गतिज विज्ञान शामिल था। साथ ही डॉ बीना ने हबल स्पेस टेलीस्कॉप पर अपाचे पॉइंट ऑब्जर्वेटरी और स्पेस टेलीस्कॉप इमेजिंग स्पेक्ट्रोग्राफ में दोहरी इमेजिंग स्पेक्ट्रोग्राफ (डीआईएस) से स्पेक्ट्रोस्कोपिक अवलोकन पर भी काम किया है।

डॉ. बीना सितंबर से नासा में साइंटिस्ट के रूप में अपनी सेवाएं देंगी। बताते हैं कि वे बचपन से ही सुनीता विलियम्स और कल्पना चावला की तरह अंतरिक्ष में सफर करने का सपना देखती थी जो अब हकीकत में बदलने जा रहा है। दौसा जिले के छोटे से गांव कोरडा कलां (गुमानपुरा) के सामान्य परिवार की डॉ.बीना के पिता अब रिटायर्ड हो चुके हैं। उनकी माता शाक्षर गृहणी हैं। बीना ने दसवीं की पढ़ाई जयपुर के एक निजी स्कूल से की। फिर 12वीं की पढ़ाई झालाना में पूरी की है। बीना ने अजमेर के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस इंजीनियरिंग में बीटेक किया।

फिर इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट एप्टीटयूड टेस्ट (गेट) में 96 प्रतिशत मार्क्स से उतीर्ण हुई। इसके बाद आईआईटी दिल्ली से ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑप्टिकल संचार विषय में एम्टेक किया तथा अमेरिका के जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ साइंस इन फिजिक्स विषय में पूरा किया। साथ ही अपनी पीएचडी के दौरान उन्होंने डेट में प्रथम पुरस्कार भी जीता। अटलांटा साइंस फेस्टिवल में साइंस एटीएल कम्युनिकेशन फेलोशिप और जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी से प्रोवोस्ट थीसिस फैलोशिप प्राप्त किया। डॉ. बीना के पढ़ाई के दौरान द एस्ट्रोफिकल जर्नल सहित कई प्रतिष्ठित जनरल्स में लेख भी प्रकाशित हुए है।

जन हितैषी

हादसों पर रोक कब

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ। हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई है। तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में भर्ती कराया गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में सड़क हादसे में एक दर्जन से भी ज्यादा लोगों की मौत हो गई। पिछले एक माह में यह चौथा बड़ा हादसा है। उत्तराखंड में मप्र के यात्रियों से भरी बस का खाई में गिरना रहा हो या इंदौर के पास बस हादसा, फिर उत्तराखंड में ही एक दुर्घटना और अब हिमाचल प्रदेश का वाक्या बता रहा है कि हादसों को लेकर कोई मुकम्मल व्यवस्था नहीं बन पाई है। ना ही चालक सजग हो रहे हैं और ना ही प्रशासनिक अमला। अमूमन हर रोज देश में सड़कों पर होने वाले हादसों में जो लोग मारे जाते हैं, उनमें से ज्यादातर की जान बचाई जा सकती थी, अगर सिर्फ कुछ बातों का ध्यान रखा जाता। लेकिन हकीकत यह है कि न तो सरकारी महकमे सड़कों के सफर को सुरक्षित बनाने के इंतजामों और नियमों को लेकर गंभीर रुख अपनाते हैं और न ही आम लोगों के स्तर पर अपने सुरक्षित सफर लेकर पर्याप्त सजगता दिखाई देती है। नतीजतन, बहुत मामूली वजहों से सड़कों पर होने वाले हादसों में लोगों की जान तक चली जाती है। जबकि अगर तय नियमों को लेकर लोगों की सजगता अव्वल तो हादसे की स्थिति से बचा सकती है और अगर किसी स्थिति में चूक हो भी गई तो कम से कम व्यक्ति की जान बच सकती है। पर अफसोस की बात यह है कि आम लोगों के स्तर पर बरती गई लापरवाही जहां हादसों का एक बड़ा कारण बनती है, वहीं संबंधित महकमे भी सड़क यातायात के नियम-कायदों को लेकर कई बार ढीला रवैया अख्तियार करते हैं। नियमों के पालन को लेकर इस तरह की उदासीनता अक्सर हादसों में तब्दील हो जाती है और नाहक ही लोगों की जान चली जाती है। सड़कों पर वाहनों की गति की जांच और लगाम लगाने के लिए जरूरी कदम उठाने से भारत में बीस हजार से ज्यादा लोगों की जान बच सकती है। वहीं केवल हेलमेट पहनने को लोग अपने लिए अनिवार्य मानने लगें और यातायात महकमे की ओर से इस नियम का पालन सुनिश्चित किया जाए तो इससे पांच हजार छह सौ तिरासी जिंदगी बचाई जा सकती है। इसी तरह, वाहनों में बैठ कर सफर करने वाले लोगों के बीच सीट बेल्ट के इस्तेमाल को बढ़ावा देकर तीन हजार से अधिक लोगों को मरने से बचाया जा सकता है। इसके अलावा, शराब पीकर वाहन चलाने की वजह से सड़क हादसों की कैसी तस्वीर बनती है, यह किसी से छिपा नहीं है। गौरतलब है कि हर साल दुनिया भर में सड़क हादसों में साढ़े तेरह लाख से ज्यादा लोगों की जान चली जाती है। इसमें से करीब नब्बे फीसद मौतें कम और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं। अगर सड़क सुरक्षा के कुछ उपायों को ही ठीक से अमल में लाया जा सके, तो मरने वाले कुल लोगों में से लगभग चालीस फीसद तक लोगों को मरने से बचाया जा सकता है।

(व्यंग्य) चलो हम पेड़ लगाएं और वे कैमरा चमकाएं

हमारे देश में बरसात का मौसम हरियाली उगाने का मौसम होता है। पूरे चौमासा में हरियाली उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसमें सरकारों की दिलचस्पी अधिक होती है। हरियाली उत्सव के इश्तहार बड़े अच्छे लगते हैं। माननीयों का पवित्र हाथ जिस पर पड़ गया उसका जीवन सुफल हो गया। कहते हैं कि हरियाली नहीं बची तो जीवन नहीं बचेगा। पेड़ मर गए तो जीवन मर जाएगा। जिसकी वजह से सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर हरियाली बचाने के प्रयास हो रहे हैं। मानसून सत्र में पेड़ लगाओ उत्सव चल रहा है। पर्यावरण संरक्षण के नारे गढ़े जा रहे हैं। धरती को हरी-भरी बनाने का अभियान इतना तेज हो चला है कि एक-एक दिन में करोड़ों नवजात पौधे एक जगह से अपदस्थ कर दूसरी जगह वृक्ष स्थापना की उम्मीद में पदस्त किए जा रहे हैं। वैसे भी अपदस्त करने का मौसम चल रहा है। कुछ का द इंड को गया है तो दूसरे वेटिंग लिस्ट में हैं। अपदस्त का मंचन कब सतह पर आ जाए कुछ कहा नहीं जा सकता है। हरियाली स्थापना अभियान चंद्रयान मिशन से भी तगड़ा है। पेड़ों को कागजी कक्षा में बैठाने का सफल परीक्षण जारी है। मिशन को सफल करने में पूरी सरकार लगी है। एक दिन में ग्लोबल ग्रीन का रिकार्ड भी बनाया जा रहा है। गिनीज बुक वालों को खोजा रहा है।

नवजात वृक्ष शिशुओं के लिए यह परम सौभाग्य का दिन है। वह अपने भाग्य पर इठला रहे हैं। नेता, अफसर, संतरी, मंत्री सभी नवजातों को प्रतिस्थापना को लेकर व्यग्र हैं। रंगोली बनाकर वृक्ष लगाए जा रहे हैं। सभी मानसून से चिरौरी करते फिर रहे है कि काश आप इसी तरह हमेंशा कायम रहें। गली मोहल्ले के छुटभैइये नेता से लेकर पूरी सरकार हरियाली उत्सव में शरीक है। पौधे लगा कर सोशलमीडिया पर हजारों हजार सेल्फी हर रोज अपलोड़ हो रही है। नवजात शिशुओं का टेम्पोंहाई है। वह मुख्यमंत्री, अधिकारी, संतरी, नेता, व्यापारी, बुद्धजीवि, वैज्ञानिक, पर्यावरण विद् के हाथों में पहुंच इतरा रहे हैं। वह खुद को परम सौभाग्यशाली समझ रहे हैं।

नवजात वृक्ष शिशुओं में होड़ लगी है। नवजात वृक्ष खुद एक दूसरे को नीचे दिखा रहे हैं। कोई कह रहा है देख हम सीएम के हाथ से पदस्त हुए, दूसरा बोल रहा है कि हमें सचिव साबह ने रोपा। तीसरा बोल रहा है कि हमें अभिनेता जी ने रोपा और कुछ बगैर रोपे दुनिया से अलविदा हो गए। उन्हें अपने भाग्य पर इतराने का मौका भी नहीं मिला। ट्वीटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सप ग्रुप में हरियाली उत्सव छाया है। जमींन में एक वृक्ष पदस्त हो रहा है, लेकिन मीडिया के सैकड़ों कमैरे चमक रहे हैं। कोई पत्तियां पकड़े है तो कोई जड़ और तना। साहब के हाथ में फावड़ा है। जूते की पालिश तक फीकी नहीं पड़ रही है। हाथ में मिट्टी तक नहीं लगी है। भला यह परम सौभाग्य इन बेचारों को कब मिलता। यह तों सरकारें ही कर सकती हैं। इतना बड़ा उत्सव वहीं मना सकती हैं। यह हर साल बारिश में मनाया जाता है।

अखबारों में हरियाली उत्सव के नारे और बड़े-बड़े इश्तिहार छपते हैं। पर्यावरण बचाने का ज्ञान बखरा जाता है। सख्त से सख्त निर्देश जारी होते हैं। वृक्षों की पदस्थता के लिए करोड़ों खारिज होते हैं। अगले बरस के मानसून का फिर इंतजार किया जाएगा। तब तक जमींन में वृक्षों की जड़ें जमाने और उनकी सुरक्षा के लिए दूसरा बजट खारिज होगा। अगले साल मानसून की दस्तक के साथ हरितिमा की नई योजना बनाई जाएगी। फिर हरियाली उत्सव मनाया जाएगा। फिर नई सरकार आएगी। अपने स्तर से दूसरी योजना लाएगी।

अब तक की सरकारों में जो करोड़ों वृक्ष रोपे गए उसमें कितने प्राण गवा चुके हैं। कितने वेंटीलेटर और आईसीयू में हैं उसकी चिंता किसी को नहीं है। उसमें कोई जिंदा भी है या नहीं इसकी भी फिक्र नहीं है। क्योंकि मरने वालों का हिसाब नहीं रखा जाता। सरकारें सिर्फ वर्तमान का हिसाब रखती हैं। दूसरों का लेखाजोखा नहीं छेड़ना चाहती। गलत परंपरा नहीं डालना चाहती। यह उत्सव ही कागजी होता है। जब से देश में यह अभियान चल रहा है इंच पर जमींन शायद नहीं बचती अगर सारे पदस्थापित पौधे जिंदा बचे होते। अगर ऐसा हो जाएगा तो नयी सरकारों हरियाली उत्सव कैसे मनाएंगी। करोड़ों का बजट कैसे खारिज होगा। यह सरकारों की आपसी समझदारी है। इसिलए पुराने पदस्थ वृक्षों का हिसाब नहीं रखा जाता। बस! आप भी पुरानी हरियाली का लेखा-जोखा मत मांगिए। पेड़ लगाइए। सेल्फी डालिए और हरियाली का उत्सव मनाइए।(लेखक-प्रभुनाथ शुक्ल/ ईएमएस)

दैनिक पंचांग

08 जुलाई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2022 वर्ष का 189 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 18.26 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 12.14 बजे को समाप्त।
योग शिव 09.00 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.03 बजे तदनन्तर कौलव 18.26 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 30'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871303
जूलियन दिन 2459768.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना जिल्हेज
तारीख 08
विशेष भड़ली नवमी।

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	तुला में
मंगल	मेष में
बुध	मिथुन में
गुरु	मीन में
शुक्र	वृष में
शनि	कुंभ में
राहु	मेष में
केतु	तुला में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	06.02 बजे से
सिंह	08.18 बजे से
कन्या	10.30 बजे से
तुला	12.41 बजे से
वृश्चिक	14.55 ब.से
धनु	17.11 बजे से
मकर	19.17 बजे से
कुंभ	21.03 बजे से
मीन	22.36 बजे से
मेष	00.07 बजे से
वृष	01.47 बजे से
मिथुन	03.45 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक		रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक		काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक		चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक		रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ठाकरे तो एक ही था, बाकी सब ठीकरे

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष पद पर भारतीय जनता पार्टी के राहुल नारवेकर का रविवार को चुनाव और दूसरे ही दिन एकनाथ शिंदे सरकार का पूरी दमदारी से विश्वास मत हासिल कर लेना दो बड़ी घटनाएं हैं। 2019 में उद्धव ठाकरे के विश्वासघात से व्यथित देवेंद्र फडणवीस की वह भविष्यवाणी सच हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि 'हम लौट कर आएंगे।' राहुल नारवेकर 107 के विरूद्ध 164 मतों से विधानसभा अध्यक्ष चुने गए हैं। सोमवार को शिंदे सरकार ने 99 के विरूद्ध 164 मतों से विश्वास मत जीता। राज्य में जिस तरह सत्ता परिवर्तन हुआ वह साबित करता है कि सही या गलत फैसले का जीवन पर किस तरह प्रभाव पड़ता है। बात उद्धव ठाकरे की करें। गलत फैसलों, राजनीतिक और प्रशासनिक अकुशलता ने उन्हें कहां से कहां पहुंचा दिया। सत्ता गई, साख की फजीहत हुई और अब शिवसेना तक हाथ से निकल जाने जैसे हालात बन रहे हैं। दूसरी ओर नए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हैं। कभी आटो रिक्शा चलाते थे। बाल ठाकरे से प्रभावित थे। शिवसेना के मैदानी कार्यकर्ता बने। जमीन से जुड़ाव, समय के साथ आई राजनीतिक परिपक्वता और सही फैसले लेने की क्षमता के बूत मुख्यमंत्री बन गए। शिंदे स्वीकार करते हैं कि 'मुख्यमंत्री बनने की कल्पना उन्होंने कभी की ही नहीं थी।' वह पूरी विनम्रता और मुक्तकंठ से देवेंद्र फडणवीस की प्रशंसा करते हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की महाअघाड़ी सरकार ढहने के बाद शरद पवार की खीझ उनके ताजा बयान से सामने आ गई। पवार ने भविष्यवाणी की है कि भाजपा, शिवसेना के शिंदे गुट और कुछ निर्दलियों के समर्थन से बनी शिंदे सरकार 6 माह में गिर जाएगी। शायद ही कोई खरा राजनीतिक विश्लेषक पवार से सहमत होगा। फिलहाल ऐसा कुछ होने के दूर-दूर तक आसार नहीं हैं। संभावना इस बात की है कि शिंदे गुट को ही असली शिवसेना मान लिया जाए। इस समय उद्धव के समक्ष चुनौती बचे-खुचे शिवसैनकों को शिंदे के पाले में जाने से रोकने की है।

अपने संदर्भ संकलन के पन्ने पलटते समय 2019 की एक टीवी बहस पर नजर टिक गई। चैनल का नाम तो याद नहीं परंतु बहस में भाग ले रहे एक राजनीतिक विश्लेषक की टिप्पणी ने अवश्य ध्यान खींचा। तब, महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों के परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए उद्धव ठाकरे का मचलना, फिर पुराने सहयोगी भाजपा से नाता तोड़ लेना, उसके बाद कांग्रेस और राकांपा की गोद में उनके जा बैठने पर विश्लेषक ने कहा था, 'बिना पद के इज्जत कमाना बाल ठाकरे से सीखें और पद के लिए इज्जत गंवाना उद्धव ठाकरे से।' वह आगे बोले, 'ठाकरे तो एक ही था, अब तो बस ठीकरे हैं।' कितना सटीक विश्लेषण था। दो साधारण वाक्यों में कितना असाधारण विश्लेषण था। राजनीति और प्रशासन में अनुभवहीनता और चाटुकार सलाहकारों के चलते उद्धव ठाकरे का इज्जत और लोकप्रियता का ग्राफ आज गोता लगा रहा है। क्या मातोश्री की शान और प्रतिष्ठा पर पर हुआ गहरा आघात छिपा रह पा रहा है? वहां सन्नाटा पसरा है। मातोश्री के आसपास गहरी शून्यता वहां के पेड़-पौधे भी कैसे सहन कर पा रहे होंगे? कभी महाराष्ट्र की राजनीति में सबसे ताकतवर माने जाते रहे ठाकरे परिवार ने ऐसे दिन देखने की कल्पना नहीं की होगी। सदमे में कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(राकांपा) भी हैं। दोनों ने सत्ता सुख खोया है। एक झटके में रुतबा खत्म हो गया। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस किसी भी दिन महाअघाड़ी से अलग होने की घोषणा कर सकती है। वैसे भी शिवसेना के साथ बेमेल याराना से महाराष्ट्र के छोटे-बड़े कांग्रेसी काफी असहज महसूस कर रहे थे। एक पखवाड़े तक महाराष्ट्र में चली राजनीतिक उथल-पुथल शांत हो चुकी है। विचारणीय प्रश्न यह है कि महाराष्ट्र के घटनाक्रम में नफा-नुकसान का गणित क्या कह रहा है? निचोड़ यही है कि भाजपा एक बार फिर सबसे अधिक ताकतवर होकर उभरी है। कांग्रेस और राकांपा दोनों के सपने टूट चुके हैं। शिवसेना विभाजन की कगार पर है। ठाकरे परिवार का राजनीतिक प्रभाव क्षींण हुआ है। सबसे अधिक घाटे में उद्धव ठाकरे दिखाई दे रहे हैं। राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से वह बहुत कमजोर साबित हुए हैं। उनकी वह ठसक अब नहीं दिखेगी जो ढाई तीन साल पहले तक दिखाई देती रही है। बाला साहब के समय बड़े-बड़े राजनीतिक और गैर-राजनीतिक दिग्गज मातोश्री में हाजिरी लगाने या सलाम ठोकने जाते थे। वही प्रभाव काफी हद तक 2019 तक दिखाई दे जाता था। उद्धव और पुत्र आदित्य ठाकरे के सत्ता की राजनीति में उतरने के बाद शनै-शनै इसमें कमी आती दिखाई देने लगी थी। अब सांप सूंघ गया जैसी स्थिति है। पिता-पुत्र के सत्ता-मोह ने ठाकरे परिवार के दबदबे और प्रतिष्ठा को खासी चोट पहुंचाई है। इसके लिए कुछ लोग संजय राउत को जिम्मेदार मानते हैं। आलोचकों की बात में दम है। वो कहते हैं, 'संजय राउत के बड़बोलेपन और उनके द्वारा पिता-पुत्र को दी जाती रही गलत सलाह ने सब मटियामेट कर दिया। राउत की सलाहों के कारण हालात बिगड़े और शिंदे और उनके समर्थक विधायक विद्रोह पर विवश हुए।' ऐसा आरोप लगाया जा रहा है कि उद्धव को सत्ता का चस्का राउत की मेहरबानी से लगा। राउत ने ही राकांपा और कांग्रेस के गठबंधन के लिए उद्धव को उकसाया था।

देवेंद्र फडणवीस द्वारा उपमुख्यमंत्री पद स्वीकार किए जाने पर कुछ लोगों को आश्चर्य हुआ है। माना जा रहा था कि भाजपा और शिंदे गुट की सरकार का नेतृत्व फडणवीस करेंगे और शिंदे उप मुख्यमंत्री होंगे। लेकिन, भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के फैसले से राजनीति की नब्ज टटोलने में महारत का दावा करने वाले भी चौंक पड़े। शिंदे को मुख्यमंत्री बना कर भाजपा ने खेल ही पलट दिया। पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस भौंचक हैं। भाजपा की रणनीति इतनी गोपनीय थी कि शायद फडणवीस तक अनभिज्ञ थे। शिंदे को मुख्यमंत्री बना कर सरकार की स्थिरता सुनिश्चित कर ली गई है। यह फैसला अविभाजित शिवसेना में उद्धव का प्रभाव खत्म करने में मददगार साबित होगा। एक खास बात यह है कि शिंदे की अगुआई वाली सरकार में उपमुख्यमंत्री बनना स्वीकार करने से पार्टी मे फडणवीस की साख और मजबूत हुई है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने फडणवीस को हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बताया है। फडणवीस की उदारता पर एकनाथ शिंदे ने तो यह तक कह दिया कि उनके जैसा व्यक्ति मिलना मुश्किल है। निश्चित रूप से भाजपा में फडणवीस का कद बढ़ा है। यहां नीतेश राणे की टिप्पणी का उल्लेख उचित लग रहा है। उन्होंने कहा है, 'फडणवीस का आचरण प्रेरक और अनुकरणीय है। आरएसएस के स्वयंसेवक में किस प्रकार मूल्यों का समावेश होता है इस का प्रमाण फडणवीस से मिल रहा है। जातिवाद और वंशवाद की राजनीति से टिके राजनीतिक दलों में ऐसे उदाहरण मिलना लगभग असंभव सा है।' फडणवीस राज्य में सबसे ताकतवर, दूरदर्शी, धीर-गंभीर और पार्टी के लिए पूरी तरह समर्पित नेता के रूप में सामने आए हैं।

कभी किसी ने कहा था कि मोदी, शाह, पवार और सोनिया के सामने उद्धव ठाकरे जीरो हैं। स्वयं उद्धव ठाकरे ने इस कथन की पुष्टि करवा दी। वह ना तो सरकार चला पाए और ना ही अपने पिता की कड़ी मेहनत और समर्पण से खड़ी की गई शिवसेना को संभाल सके। शिंदे महाराष्ट्र की राजनीति में पहली पंक्ति के ताकतवर नेता के रूप में उभरे हैं। माना जा रहा है कि शिंदे को मुख्यमंत्री बनाये जाने से उनकी अगुआई वाले धड़े को वास्तविक शिवसेना सिद्ध करने में आसानी रहेगी। भाजपा के साथ शिंदे गुट का गठबंधन समान विचार वालों की एकजुटता के रूप में लिया जाना चाहिए। छह माह में सरकार गिरने की पवार की भविष्यवाणी को असत्य साबित करने में शिंदे और भाजपा दोनों ही भला कोई कसर छोड़ेंगे? (लेखक-अनिल बिहारी श्रीवास्तव/ईएमएस)

आज का इतिहास 8 जुलाई

1709 रूस और स्वीडन के बीच शुरु हुए संघर्ष में रूस को विजय मिली.
1858 अंग्रेजों द्वारा ग्वालियर किले पर कब्जे के बाद लार्ड कैनिंग ने आजादी की लड़ाई समाप्त हो जाने की घोषणा की.
1895 दक्षिणी अफ्रीका में डेलागोवा रेलवे लाइन के खुलने से ट्रांसवाल को समुद्र तक पहुंचने का मार्ग मिल गया.
1918 भारतीय संविधान में सुधार के लिए मांटेगू चेम्सफोर्ड रपट प्रकाशित हुई.
1920 ब्रिटेन ने केन्या को अपना उपनिवेश बनाया.
1940 द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी हमले के दौरान नार्वे सरकार ने अपना कामकाज लंदन से शुरु किया.
1950 अमरीकी जनरल डगलस मैकआर्थर कोरिया में राष्ट्रसंघ सेना के प्रमुख बनाए गए.
1954 भाखड़ा नांगल नहर का उद्घाटन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने किया.
1976 न्यूगिनी में भूकंप से नौ हजार से अधिक लोग मारे गए.
1994 उत्तर कोरिया पर लंबे समय तक शासन करने वाले किम इल सुंग का निधन हुआ.
2002 49वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों तथा भारतीय पेनोरमा-2002 के लिए फीचर फिल्म ज्यूरी के अध्यक्ष, अभिनेता-निर्देशक अमोल पालेकर ने त्यागपत्र दिया.
2003 इरानी जुड़ी हुई जुड़वा बहने लादेन व लालेह को अलग करने की शल्य क्रिया विफल दोनों बहनों की मृत्यु.
2003 सुडान में वायुयान दुर्घटना में 115 मरे.
2007 भारत और बांग्लादेश के बीच पहली बार भारतीय रेल की मैत्री एक्सप्रेस कोलकाता से ढाका पहुंची.
2007 पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का निधन.

चिंताजनक है युवाओं में बढ़ती मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति

मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। भारत में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्राय: पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ़्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या अन्य ऐसे ही मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं।

युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं।

देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। वर्ष 1993 में मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर एक पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिखी थी, जिसमें मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया था कि अधिकांश लोगों में कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं।

कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्राय: कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है।

देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है।

हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्त्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी। (लेखक- योगेश कुमार गोयल/ ईएमएस)(लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा नशे के दुष्प्रभावों पर पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' के लेखक हैं)

शब्द पहेली - 7340

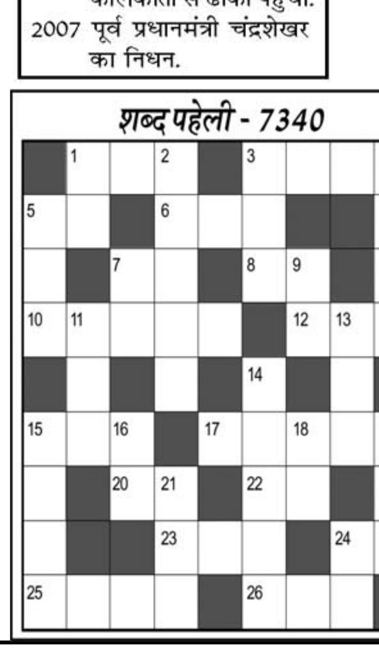

बाएँ से दाएँ
1. सुगंध, खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन, सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश, विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वसय, घेरा-3
15. आंचल, पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर, पिता का घर-3
24. नवीन, नया, नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक, न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे
1. जी, चित्त, इच्छा-2
2. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर, विदुषक-4
5. दुनिया, जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव, हरदम-2
11. जन्म, पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी, नलका-2
18. वश, अधीन-2
19. परिणाम, हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -7339 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

पूजा निचले क्रम पर सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाली बल्लेबाज बनी

कोलंबो (ईएमएस)। भारत की महिला क्रिकेटर पूजा वस्त्राकर ने गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में निचले क्रम पर सबसे अधिक अर्धशतक लगाने का रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही पूजा आठवें या इससे नीचे के नंबर पर सबसे अधिक पचास रन बनाने वालीं महिला क्रिकेटर बन गई हैं। पूजा ने अपनी पारी से भारतीय टीम को नौ विकेट पर 255 रनों तक पहुंचाया। पूजा 56 रन बनाकर नाबाद रहीं।

यह पूजा का आठवें नंबर पर दूसरा अर्धशतक है। उसने नौवें नंबर पर भी एक अर्धशतक लगाया है। इस तरह उनके 8वें नंबर पर या इससे निचले नंबर को मिलाकर कुल 3 अर्धशतक हो गए हैं, यह एक विश्व रिकॉर्ड भी है। इससे पहले यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की निकोल ब्राउन के नाम था। निकोल ने आठवें नंबर पर दो अर्धशतक लगाए हैं।

तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर स्मृति मंधाना 6 रन बनाकर पैवेलियन लौट गईं। शेफाली वर्मा (49) और यस्तिका भाटिया (30) ने दूसरे विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। यस्तिका के आउट होने पर भारत का स्कोर 89 रन था। इसके बाद भारतीय टीम ने जल्दी-जल्दी विकेट खोये। इसके बाद पूजा और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार साझेदारी कर भारतीय पारी को संभाला।

मलेशिया मास्टर्स : सिंधु और प्रणय क्वार्टर फाइनल में पहुंये

कुआलालंपुर (ईएमएस)। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु और एचएस प्रणय जीत के साथ ही मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। सिंधु ने चीन की झांग यी मान को करीब आधे घंटे के अंदर ही 21-12, 21-10 से हरा दिया। अब क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना चीनी ताइपे की ताइ जू यिंग से होगा।

वहीं पुरुष एकल में भारत के ही एच एस प्रणय भी जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। प्रणय ने चीनी ताइपे के वांग जू वेइ को 21-19, 21-16 से हराया। अब उनका मुकाबला जापान के केंटा सुनेयामा से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में बी साई प्रणीत और पारुपल्ली कश्यप हार के साथ ही बाहर हो गए। प्रणीत को चीन के ली शी फेंग ने 21-14, 21-17 से हराया जबकि कश्यप को इंडोनेशियाई खिलाड़ी एंथोनी सिनिसुका गिनटिंग ने 21-10, 21-15 से पराजित किया।

आईपीएल नीलामी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों की नीलामी को चुनौती देने वाली एक याचिका खारिज कर दी है। इस जनहित याचिका में खिलाड़ियों की नीलामी को अमानवीय है और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया गया है। याचिका में कहा गया है कि खिलाड़ी न तो रोबोट हैं और न ही सामान और इस प्रकार सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से खिलाड़ियों का चयन मानव जीवन और सम्मान को प्रभावित करता है। इसलिए आगामी आईपीएल नीलामी पर रोक लगायी जाये।

इसपर न्यायालय की खंडपीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि आईपीएल का सत्र समाप्त हो गया है। साथ ही कहा कि इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी ऐसी ही एक अन्य याचिका को खारिज किया था, ऐसे में यह जनहित याचिका सुनवाई के योग्य नहीं है।

विम्बलडन टेनिस के सेमीफाइनल में नडाल, किर्गियोस में होगा मुकाबला

विम्बलडन (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार रफल नडाल विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। नडाल ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी टेलर फ्रिट्स को हराया। सेट के दर्द के कारण मैच में परेशान रहे नडाल ने 3-6, 7-5, 3-6, 7-5, 7-6 से जीत हासिल की। अब उनका सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस से मुकाबला होगा। किर्गियोस ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चिली के क्रिस्टियन गारिन को 6-4, 6-3, 7-6 से हराया था। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच का सामना कैम नॉरी से होगी।

इसके अलावा महिला वर्ग का सेमीफाइनल साल 2019 की चैम्पियन सिमोना हालेप और एलेन राइबाकिना के बीच होगा जबकि ओंस जबाउर का मुकाबला ततयाना मारिया से होगा। हालेप ने अमांडा एनिसिमोवा को 6-2, 6-4 से हराया जबकि राइबाकिना ने एला टोमजानोविच को 4-6, 6-2, 6-3 से पराजित किया।

आर्यन सर्बिया मास्टर्स शतरंज में दूसरे स्थान पर रहे

बेलग्रेड (ईएमएस)। भारत के आर्यन चोपड़ा सर्बिया मास्टर्स टूर्नामेंट में दूसरे नंबर पर रहे हैं। आर्यन को अंतिम दौर में तुर्की के एमरे कान ने हराया। इस प्रकार 7.5 अंक के साथ ही वह उपविजेता बने हैं। वहीं यूनान के एवेगेनीओस इओनिडिस 8 अंक हासिल कर पहले स्थान पर रहे। वहीं इज़राइल के एवगेनय जनन 7 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे। विश्व भर के 39 देशों के कुल 266 खिलाड़ियों ने 9 दौर की इस स्विस प्रतियोगिता में भाग लिया। आर्यन ने पूरी प्रतियोगिता में 6 मुकाबले जीते जबकि 3 ड्रॉ रहे। इस प्रकार आर्यन ने 2730 रेटिंग के स्तर का प्रदर्शन किया। वहीं भारत के अधिबन भास्करन 6.5 अंक हासिल कर टाईब्रेक में छठे जबकि आदित्य मित्तल सातवे स्थान पर रहे।

विम्बलडन सेमीफाइनल में हारी सानिया और पाविच की जोड़ी

लंदन (ईएमएस)। भारत की महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा विम्बलडन टेनिस के सेमीफाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयी है। सानिया और उनके जोड़ीदार क्रोएशिया के मेट पाविच की जोड़ी को मिश्रित युगल सेमीफाइनल में ब्रिटेन के नील कुपस्की और अमेरिका की डेसिरे क्रॉजिक ने 4-6, 7-5, 6-4 से हराया।

सानिया और पाविच ने पहला सेट जीतने के बाद दूसरे सेट में भी 4-2 की बढ़त बना ली थी पर अगले 6 में से 5 गेम में इन्हें हार का सामना करना पड़ा। निर्णायक सेट में सानिया और पाविच ने अपने विरोधी की सर्विस तोड़ी पर ज्यादा देर दबाव बनाकर नहीं रख पाये जिससे विरोधी जोड़ी ने वापसी कर ली। पाविच ने 12वें गेम में 2 बार डबल फॉल्ट किए। विम्बलडन में यह सानिया का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह इससे पहले साल 2011, 2013 और 2015 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। उन्होंने विम्बलडन में 2015 में मार्टिना हिंगिस के साथ महिला युगल खिताब जीता था।

एस्ट्रेला डैम लेडीज ओपन में भारतीय दल की अगुआई करेंगी दीक्षा

सिटगेस (ईएमएस)। दीक्षा डागर एस्ट्रेला डैम लेडीज ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। इस टूर्नामेंट में भारत का छह सदस्यीय दल भाग ले रहा है। बधिर ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता दीक्षा ने अमुडी जर्मन मास्टर्स के साथ ही पिछले एक महीने से ज्यादा समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी नजरें अब शीर्ष 10 में जगह के साथ ही अपने करियर में दूसरी बार लेडीज यूरोपीय टूर खिताब जीतने पर रहेंगी। दीक्षा अदिति अशोक के बाद लेडीज यूरोपीय टूर खिताब जीतने वाली दूसरी महिला गोल्फर हैं।

28 अगस्त को एशिया कप क्रिकेट में आमने-सामने होगी भारत और पाकिस्तान !

कोलंबो (ईएमएस)। भारत ओर पाकिस्तान की क्रिकेट टीम एक बार फिर एशिया कप में आमने-सामने होंगी। एशिस कप अगले माह श्रीलंका में होगा। श्रीलंकाई बोर्ड ने देश में व्याप्त आर्थिक संकट के बाद भी इसका आयोजन देश में ही करने का फैसला किया है। इसमें क्रिकेट प्रशंसकों को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले का इतजार है। एशिया कप से दोनो ही टीमों को अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। श्रीलंकाई क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी एश्ले डिसिल्वा ने कहा कि टूर्नामेंट के मुकाबले तय कायक्रम के अनुसार ही कराए जाएंगे। इसके लिए एशियन क्रिकेट परिषद ने भी अपनी सहमति दे दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एशिया कप टी20 टूर्नामेंट की शुरुआत 27 अगस्त से होगी। इसमें भारत और पाक का मुकाबला 28 अगस्त को होने की संभावना है। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में अपना खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। भारत ने सात बार यह खिताब जीता है जबकि दो बार पाकिस्तान टीम विजेता रही है।

एशिया कप के मौजूदा टी20 प्रारुप में खेले जाएंगे। इसमें क्वालिफायर मुकाबले 21 अगस्त से शुरू होंगे। इसमें यूएई, ओमान, नेपान, हॉन्गकॉन्ग सहित अन्य टीमें उतरेंगी। इसमें से एक टीम मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालिफाई करेगी। मुख्य ड्रॉ में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश को पहले ही जगह मिली है। अंतिम बार एशिया कप के मुकाबले 2018 में यूएई में हुए थे। उसके बाद से ही कोरोना संक्रमण के कारण ये नहीं हो पाये थे। अब जबकि हालात सामान्य हो गये हैं तब इन खेलों का आयोजन हो रहा है।

पाकिस्तान में भी मानसूनी बारिश ने बरपाया कहर, 77 की मौत

- बारिश के कारण सबसे ज्यादा तबाही बलूचिस्तान प्रांत में मची, राष्ट्रीय आपदा घोषित

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारत के बाद अब पाकिस्तान में भी मानसूनी बारिश ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान सरकार की जलवायु परिवर्तन मंत्री शेरी रहमान ने खुलासा किया कि देश भर में मानसून की बारिश ने अब तक 77 लोगों की जान ले ली है। बारिश के कारण सबसे ज्यादा तबाही बलूचिस्तान प्रांत में मची है। इस प्रांत में 39 लोगों की म्त्रौत हो चुकी है। इस आंकड़े में बच्चे, पुरुष और महिलाएं शामिल हैं। पाकिस्तान में 14 जून को मानसून ने दस्तक दी थी, लेकिन इस हफ्ते से कई इलाके भारी बारिश की चपेट में हैं। बलूचिस्तान में मूसलाधार बारिश ने कहर बरपाया है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग बाढ़ का सामना कर रहे हैं। इतना ही नहीं, राजधानी क्वेटा समेत पासनी और तुर्बत जैसे बड़े शहरों में भी बाढ़ ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है।

मंत्री रहमान ने बताया कि जल स्तर ऊंचा है और लोगों को सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि मानसून पैटर्न बदल रहा है। इस समय पूरे पाकिस्तान में बारिश औसत बारिश से 87 प्रतिशत अधिक है। शेरी रहमान के अनुसार बलूचिस्तान में बारिश औसत से 274 प्रतिशत अधिक थी, जबकि सिंध में यह आंकड़ा 261 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि यह शुरुआत है और हमें इसकी तैयारी करने की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने अलर्ट जारी कर प्रांतों को अपने नाले साफ करने और ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि यह निश्चित रूप से मेरे लिए एक राष्ट्रीय आपदा है, खासकर जब इतने सारे लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है और राज्य को इस पर विशेष ध्यान देना होगा। रहमान ने बताया कि इस साल उम्मीद से पहले प्री-मानसून बारिश हुई। इसके लिए मंत्रालय और एनडीएमए ने आकस्मिक योजना तैयार की थी। लेकिन सभी प्रांतों को अपनी राहत योजनाओं को चाक-चौबंद करना होगा और सहायता या सहायता की आवश्यकता होने पर संघीय सरकार तक पहुंचना होगा। उसने कहा कि मौसम कार्यालय और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दैनिक आधार पर सलाह जारी कर रहे थे। लेकिन, उन्होंने जोर दिया कि ऐसी सलाह को अधिकारियों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। यह छठा दिन है और हमें सतर्क रहने की जरूरत है।

30 अक्टूबर तक भारत के लिए कोरोना से पहले की स्थिति में विमान को परिचालन शुरु कर देगी सिंगापुर एयरलाइन

सिंगापुर (ईएमएस)। सिंगापुर एयरलाइन (एसआईए) ने घोषणा की है, कि वह 30 अक्टूबर तक भारत के लिए महामारी से पहले के स्तर तक का परिचालन शुरू कर देगी। कंपनी ने बताया कि हवाई यात्रा की मांग बढ़ने के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। कंपनी ने कहा कि चेन्नई तक सप्ताह में 17 उड़ानों का परिचालन धीरे-धीरे शुरू होगा, जो अभी प्रति सप्ताह 10 उड़ान है। इस तरह कोच्चि के लिए अभी हर सप्ताह सात उड़ानें हैं, जिन्हें बढ़ाकर 14 किया जाएगा, बेंगलुरु के लिए उड़ानें मौजूदा सात से बढ़ाकर 16 की जाएगी। एसआईए ने कहा कि 30 अक्टूबर 2022 तक कंपनी भारत के लिए कोविड से पहले की अपनी लगभग 100 फीसदी क्षमता के साथ परिचालन करने लगेगी। सिंगापुर एयरलाइन्स में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विपणन योजना) जॉन टान ने कहा, भारत आवागमन के लिए मांग बढ़ी है, जो इस महत्वपूर्ण बाजार में हमारी सेवाएं बढ़ाने के लिहाज से अनुकूल है। महामारी से पहले तक भारत के सात गंतव्यों तक एयरलाइन हर सप्ताह कुल 96 उड़ानों का संचालन करती थी।

प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की हालात भी ठाकरे जैसी, अपनी ही पार्टी के नेता कर रहे बगावत

लंदन (ईएमएस)। वित्त मंत्री ऋषि सुनक और स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद के इस्तीफे के कारण पैदा हुए संकट का सामना कर रहे ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अपने पद पर बने रहने वाले हैं। कयास थे कि जॉनसन प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं, लेकिन खबर सामने आ रही है कि जानसन पद का त्याग नहीं करने वाले हैं, बल्कि चुनौतियों का सामना करने वाले हैं। ब्रिटिश सरकार का हाल बिल्कुल महाराष्ट्र जैसा ही दिखाई दे रहा है।

जॉनसन की अपनी कंजर्वेटिव पार्टी का हाल बिल्कुल महाराष्ट्र की शिवसेना जैसा हो गया है। दो कैबिनेट मंत्रियों के इस्तीफे से उपजे संकट के बाद इस्तीफा की छड़ी लग गई। रिपोर्ट के मुताबिक 40 से ज्यादा मंत्रियों ने अपने पद का त्याग कर दिया और बोरिस जॉनसन सरकार का हाल बिल्कुल महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी सरकार जैसा हो गया।

सुनक और साजिद जाविद ने 5 जुलाई को अपने पद का त्याग कर कहा कि उन्हें बोरिस जॉनसन के नेतृत्व पर भरोसा नहीं है और उनके इस बयान के बाद मानो जॉनसन की मुश्किलें और भी ज्यादा बढ़ गईं। हाल ही में बोरिस जॉनसन ने अविश्वास प्रस्ताव का सामना किया था और बहुत कम अंतर से सरकार को बचाया था।

जॉनसन ने अपने इस्तीफे की लगातार उठ रही मांगों के जवाब में कहा कि कठिन परिस्थितियों में किसी प्रधानमंत्री का काम, जब आपको भारी जनादेश सौंपा गया है, आगे बढ़ते रहना है, और मैं यही करने जा रहा हूं। इसके साथ ही बोरिस जॉनसन खाली पड़े पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं और वो पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के साथ-साथ उन्हें संसद में विरोधी खेमे के सवालों का भी सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच साजिद जाविद ने संसद की कार्यवाही में शामिल हुए और भाषण दिया। उन्होंने कैबिनेट के सदस्यों से बोरिस जॉनसन को समर्थन देने के फैसले पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया।

आईएमएफ की प्रमुख का दावा, अगले साल संभावित वैश्विक मंदी की आशंका से इनकार नहीं

लंदन (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा है कि अगले साल संभावित वैश्विक मंदी की आशंका से इनकार नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं के लिए मंदी का जोखिम अप्रैल के बाद से ठकाफी गहराठ हो गया है और इससे संभावित वैश्विक मंदी की आशंका प्रबल हुई है, यह दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक बड़ा खतरा है। आईएमएफ के प्रबंध निदेशक जॉर्जीवा ने बताया कि आने वाले हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) 2022 में आर्थिक विकास की दर 3.6 फीसद रहने के अपने पूर्वानुमान को इस साल तीसरी बार संशोधित करके नीचे लाएगा। उन्होंने कहा कि आईएमएफ के अर्थशास्त्री वैश्विक विकास दर के नए आंकड़ों को अंतिम रूप दे रहे हैं, इस जल्द ही फाइनल कर लिया जाएगा। आईएमएफ जुलाई के अंत में 2022 और 2023 के लिए अपना अपडेटेड पूर्वानुमान जारी कर सकता है। बता दें कि अप्रैल महीने में आईएमएफ ने अपने पूर्वानुमान में एक प्रतिशत अंक की कटौती की थी। 2021 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास दर 6.1 फीसद रही।

जॉर्जीवा ने कहा, अप्रैल में आखिरी अपडेट के बाद से स्थति कहीं अधिक गंभीर हो गई है और इसके बाद हमारा दृष्टिकोण भी काफी गहरा हो गया है। दुनिया भर में बढ़ती मुद्रास्फीति, ब्याज दरों में बढ़ोतरी, चीन के आर्थिक विकास में मंदी और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि हम सब गहरे संकट में हैं। हाल के आर्थिक आंकड़ों से पता चला है कि चीन और रूस सहित कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में दूसरी तिमाही में गिरावट देखी गई है। उन्होंने कहा कि 2002 हमारे लिए कठिन है, लेकिन इस तरह के जोखिम 2023 में और भी अधिक गहरे हो जाएंगे।

दो साल बाद जोर-शोर से शुरु हुई हज यात्रा, 10 लाख मुसलमान हो रहे शामिल

मक्का (ईएमएस)। कोरोना के चलते दो वर्ष तक प्रभावित रहने के बाद सऊदी अरब में इस साल पूरे जोर-शोर के साथ हज यात्रा शुरू हुई हैं। दुनियाभर के 10 लाख मुसलमान इसमें हिस्सा ले रहे हैं। शारीरिक और वित्तीय रूप से सक्षम मुसलमानों को जीवन में कम से कम एक बार हज यात्रा करने के लिए कहा जाता है। इस दौरान वह उन स्थानों की यात्रा करते हैं, जहां लगभग 1,400 वर्ष पहले पैंगबर मोहम्मद ने अपना जीवन बिताया था। हज यात्रा शुरू होने के बाद पांच दिन तक यात्री विभिन्न रस्म पूरी करते हैं। इनमें इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल काबा के आसपास इबादत करना शामिल है। गुरुवार को मस्जिद हरम के आंगन में हजारों हज यात्रियों ने काबा के आसपास तवाफ (परिक्रमा) किया। हालांकि इस दौरान पिछले दो साल की तुलना में अलग नजारा देखने को मिला है। कोरोना के चलते जहां साल 2020 और 2021 में हजयात्री पाबंदियों का कड़ाई से पालन करते दिखे थे, इस बार उतनी सख्ती दिखाई नहीं दे रही।

कई हज यात्री बिना मास्क के यात्रा करते दिख रहे हैं। साथ ही सामाजिक दूरी का पालन भी इस बार बहुत कम दिखाई दे रहा है। इस साल केवल उन 10 लाख विदेशी और घरेलू यात्रियों को हज की अनुमति दी गई है, जिनका टीकाकरण पूरा हो चुका है या कोरोना से संक्रमित नहीं हैं। इस साल केवल 18 से 65 वर्ष की आयु के यात्रियों को हज की अनुमति है। अधिकारियों के अनुसार 85 प्रतिशत हज यात्री विदेशी हैं। हालांकि इस साल भी हज यात्रियों की संख्या कोविड-19 से पहले की तुलना में काफी कम है, जब हर साल लगभग 25 लाख लोग हज यात्रा करते थे। साल 2020 में जब कोविड-19 अपने चरम पर था तब केवल 1,000 सऊदी निवासियों को हज की अनुमति मिली थी। भारत और पाकिस्तान से भी बड़ी संख्या में लोग सऊदी अरब पहुंचे हैं।

पाकिस्तान, श्रीलंका के बाद अब जिम्बाबें को अपना गुलाम बनने में लगा ड्रैगन

बीजिंग (ईएमएस)। कहते हैं कि किसी को अपना गुलाम बनाना है, तब उसके सिर्फ दो ही तरीके हैं। या उस जंग के मैदान में मात या फिर उसे इतना कर्ज दो कि वहां कभी लौटा ही न सके। चीन इसी नीति पर काम कर रहा है जिसे दुनिया विस्तारवाद कहती है। खास बात ये है कि चीन की चाल से लगभग पूरी दुनिया वाकिफ है, लेकिन फिर भी पाकिस्तान या श्रीलंका जैसे कई देश हैं जो या तो चीन के आर्थिक गुलाम बन गए या फिर बनने की तैयारी में है। एशिया के कई देशों को अपने कर्ज जाल में फंसाने के बाद चीन अफ्रीकी देशों को कर्ज बांटकर अपना आर्थिक गुलाम बनाना चाहता है।

खुद को दुनिया की ताकतवर देशों की लिस्ट में शुमार करने वाले सुपरपावर चुप क्यों बैठे हैं। वहां चीन के पैसों से अपने यहां बुनियादी ढांचा खड़ा कर रहे हैं। कुछ देश सैन्य साजों सामान खरीदने पर जोर दे रहे हैं। जिम्बाब्वे भी चीन के फंड से उनका पार्लियामेंट यानी संसद तैयार किया गया है और कई सारे प्रोजेक्ट हैं, जो अभी प्रोसेस में हैं। माउंट हैंपडन में बनी इस संसद को तैयार किया है चीन ने और इस पर उसने 140 मिलियन डॉलर खर्च कर डाले हैं। चीन का मकसद इस बिल्डिंग के जरिए इस क्षेत्र में अपना प्रभाव कायम करना है।

बिल्डिंग को तैयार करने में 500 चीनी टेक्निशियंस और 1200 स्थानीय मजदूरों को लगाया गया था। जिम्बॉब्वे में आलोचकों ने चीन की तरफ से तैयार बिल्डिंग पर चिंता जाहिर की हैं। उनका कहना है कि चीनी मदद लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाला जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने इथियोपिया में स्थित अफ्रीकन यूनिटी (एयू) के हेडक्वाटर्स में चीन की जासूसी का आरोप लगाया है। हालांकि चीन ने इस बात से साफ इनकार कर दिया है।

म्यांमार और मणिपुर की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तनाव

- मणिपुर के दो युवकों की हत्या

इंफाल (ईएमएस)। मणिपुर के मोरेह कस्बे के 2 तमिल युवकों की म्यांमार के तामू कस्बे में मंगलवार को हत्या कर दी गई थी। उसके बाद म्यांमार की सेना के मिलिशिया ग्रुप ने रास्ता रोककर गोलियां चलाना शुरू कर दी थी। मोरेह पुलिस के अनुसार पी मोहन नामक युवक की दो हफ्ते पहले शादी हुई थी। अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे हुए इस क्षेत्र में दो युवकों की हत्या के बाद भारी तनाव बना हुआ है। तनाव को देखते हुए भारतीय सीमा में स्थानीय पुलिस और असम राइफल्स के जवानों को तैनात किया गया है।

इंडोनेशिया- बाली द्वीप में जी-20 सदस्यों का जमावड़ा, यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की संभावर्नी

जकार्ता (ईएमएस)। विश्व के विकसित देशों के समूह जी-20 के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा इंडोनेशिया के बाली प्रायद्वीप में होने वाली एक दिवसीय बैठक के लिए होने लगा हैं। वैसे तो इस वार्ता का एजेंडा वैश्विक सहयोग और खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देना है, लेकिन इसके बावजूद इसमें यूक्रेन संकट की गूंज सुनाई देने की उम्मीद की जा रही है।

हालांकि वार्ता से पहले ही इसको लेकर व्याप्त चिंताएं सामने आने लगी हैं। बाली पहुंचने से पहले चीन के विदेश मंत्री वांग यी और रूस के शीर्ष राजनियक सर्गेई लावरोव कई एशियाई देशों की यात्रा कर चुके हैं, जिनका मकसद वार्ता से पहले समर्थन जुटाना और क्षेत्र में अपने संबंधों को मजबूत बनाना है। दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी देश कई तरीकों से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सबक सिखाने की फिराक में हैं, जिसमें नवंबर में बाली में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन का बहिष्कार करने की धमकी भी शामिल है।

इस साल जी-20 शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष इंडोनेशिया पर सम्मेलन का आयोजक होने के साथ साथ विश्व पटल पर और अधिक रचनात्मक भूमिका निभाने की जिम्मेदारी भी है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के मामले में इंडोनेशिया ने तटस्थ रवैया अपनाया है और राष्ट्रपति जोको विदोदो भी इस मामले में अपने रुख पर कायम रहे हैं। यूक्रेन जी-20 समूह में शामिल नहीं है, लेकिन विदोदो ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और पुतिन को नवंबर में होने वाले शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। हालांकि जेलेंस्की ने साफ कर दिया है कि यदि युद्ध जारी रहता है, तो वह सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे और वीडियो लिंक के जरिये चर्चा पर नजर रखेंगे।

बताया जा रहा है कि विदोदो ने जर्मनी में हुए जी-7 सम्मेलन से इतर इटली के प्रधानमंत्री मारियों द्रागी से कहा था कि पुतिन भी जी-20 सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। हालांकि रूस की तरफ से कहा गया है कि इसपर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। गुरुवार को अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इटली, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री बाली के लिए रवाना होने वाले हैं।

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क नौ बच्चों के पिता हैं!

- साल 2021 में उन्हीं की कंपनी की महिला अधिकारी ने मस्क के दो जुड़वा बच्चों को ?दिया था जन्म, दायर या?चिका में हुआ खुलासा

वाशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला कंपनी के सीईओ एलन मस्क अपने ट्वीट व बिजनेस आइडिया के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में बने रहते हैं। इसी कड़ी में अब खबर आ रही है कि एलन मस्क अब 7 नहीं बल्कि 9 बच्चों के पिता हैं। साल 2021 में उन्हीं की कंपनी की महिला अधिकारी शिवोन जिलिस ने एलन मस्क के दो जुड़वा बच्चों को जन्म दिया है। शिवोन एलन मस्क के न्यूरोलिंक की सबसे बड़ी अधिकारी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार एलन और जिलिस ने अप्रैल के महीने में एक याचिका दायर की थी, जिसके तहत मांग किया गया था कि बच्चों के नाम में आखिरी में पिता का नाम और बीच में मां का नाम जोड़ा जाए। इस याचिका के चलते ही उनके जुड़वा बच्चों के बारे में सबको पता चल गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक महीने बाद, टेक्सास के एक न्यायाधीश ने याचिका को मंजूरी दे दी थी। शिवोन जिलिस न्यूरोलिंग की डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशन एंड स्पेशल प्रोजेक्ट्स हैं।

बता दें कि न्यूरोलिंक की स्थापना एलन मस्क ने की थी और वही इसके चेयरमैन भी हैं। साल 2017 के मई महीने से शिवोन जिलिस कंपनी में काम कर रही है। साल 2019 में शिवोन जिलिस को टेस्ला में डायरेक्टर इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी बनाया गया था। वह आर्टिफिशल इंटेलिजेंस में बोर्ड मेंबर भी रह चुकी हैं। जिलिस का जन्म कनाडा में हुआ था और उन्होंने इकनॉमिक्स और फिलॉसॉफी की। वह आईबीएम और ब्लूमबर्ग बीटा में काम कर चुकी हैं। जुड़वा बच्चों के आने की खबर से मस्क के बच्चों की कुल संख्या नौ हो गई है। मस्क के दो बच्चे कनाडा के गायक ग्रिम्स से हैं। वहीं 5 बच्चे उनकी अपनी पूर्व पत्नी कनाडाई लेखक जस्टिन विल्सन से हैं। एलन मस्क की 18 साल की ट्रांसजेंडर बेटी हाल ही में नाम बदलने की याचिका लेकर कोर्ट पहुंच गई थी। उसने याचिका में कहा था कि वह अपने जैविक पिता के साथ नहीं रहती है और न ही किसी तरह का संबंध रखना चाहती है। ऐसे में उसने अपना नाम बदलने की मांग की थी। उसका नाम जेवियर अलेक्जेंडर मस्क है। उसकी मां जस्टिल विस्सन हैं।

अफगानिस्तान पर सख्त हुए बाइडन, गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा वापस लिया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अफगानिस्तान से सैन्य वापसी और वहां तालिबान शासन के बाद अमेरिका ने पूरी इस देश से पीछा छुटाने का निर्णय लिया है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अफगानिस्तान के एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा रद्द करने की घोषणा की। राष्ट्रपति बाइडन ने पत्र में कहा ?कि 1961 के विदेशी सहायता अधिनियम की धारा 517 के अनुसार संशोधित (22 यूएससी 2321के) के अनुसार मैं एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के रूप में अफगानिस्तान के पदनाम को रद्द करने की घोषणा करता हूं। दरअसल, जुलाई 2012 में संयुक्त राज्य अमेरिका ने अफगानिस्तान को एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के रूप में नामित किया था। अमेरिका ने पिछले साल अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुलाने की घोषणा कर दी थी। इसी के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर हमले शुरू कर दिए। 15 अगस्त, 2021 को तालिबान लड़ाके अफगानिस्तान में घुस गए और सितंबर में तालिबान ने अफगानिस्तान में पूर्ण जीत की घोषणा कर दी। इसके बाद एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया। हालांकि, अभी तक किसी भी देश द्वारा आधिकारिक रूप से इस सरकार को मान्यता नहीं मिली है। नाटो विश्व का सबसे बड़ा सैन्य संगठन है जिसके अंतर्गत एक देश दूसरे देश में अपनी सेना भेजता है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय ट्रेनिंग भी दी जाती है। साथ ही साथ यह आदेश भी दिया जाता है कि वह हर स्थिति को सख्ती से निपटाएं। नाटो की शुरुआत दूसरे विश्व युद्ध के बाद 4 अप्रैल 1949 में की गई। हिंदी भाषा में नाटो को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन के नाम से जाना जाता है। नाटो का दूसरा नाम अटलांटिक अलायन्स भी है। मुख्य रूप से नाटो का उद्देश्य विश्व में शांति को कायम रखना है। इस समय नाटो के 30 सदस्य हैं। नाटो का मुख्यालय बेल्जियम की राजधानी ब्रूसेल्स में स्थित है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आया है। एशिया और यूरोपीय बाजारों में बढ़त से घरेलू बाजार को भी बल मिला। आज सुबह से ही बाजार में उत्साह देखा गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 427.49 अंक करीब 0.80 फीसदी की बढ़त के साथ ही 54,178.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय यह 503.80 अंक तक पहुंच गया था। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 143.10 अंक तकरीबन 0.89 फीसदी बढ़कर 16,132.90 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले गत दिवस भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था।

दिग्गज कंपनियों में टाइटन, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में उछाल है जबकि डॉ. रेड्डीज लैब, नेस्ले, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस के शेयरों में गिरावट है।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर आया है। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में तेजी आई है। दूसरी ओर अमेरिकी शेयर बाजार लाभ में रहे।

बाजार जानकारों के अनुसार कच्चे तेल और जिंसों के दाम में कमी से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है इससे भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। मुद्रास्फीति घटने की उम्मीद से बाजार में तेजी आगे भी बनी रहने की उम्मीद है।

सोने में नरमी , चांदी में उछाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में सोने की कीमतें घटी हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 436 रुपये नीचे आकर 50,551 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,987 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

दूसरी ओर चांदी की कीमत 233 रुपये बढ़कर 56,750 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 56,517 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना उछाल के साथ ही 1,743 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। चांदी 19.36 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर बनी थी।''

आस्ट्रेलिया के सिडनी में बाढ़ के कारण 85 हजार लोग प्रभावित

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े शहर सिडनी के उत्तरी हिस्से में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति बन गई है। कई मकानों में पानी भरने से अब तक लगभग 85 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। आपातकालीन सेवा मंत्री स्टीफ कुक ने कहा कि सिडनी में बारिश कम हो रही है, लेकिन सिडनी के उत्तरी और पश्चिमी किनारे पर हॉक्सबरी-नेपियन नदी प्रणाली सहित कई हिस्से बाढ़ से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि सिडनी के उत्तर में हंटर वैली में सिंगलटन और मुसवेलब्रुक के कस्बों में आपात प्रतिक्रिया दलों ने रात भर लोगों के घरों के दरवाजे खटखटाए, ताकि निवासियों को खाली करने का आदेश दिया जा सके। कुक ने कहा, कई लोगों के लिए यह जागने वाली रात रही।

प्रशासन ने बताया कि बुधवार तक 85 हजार लोगों को लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के आदेश दिए गए। बाढ़ आपात स्थिति के पांचवें दिन, पेरोटेट ने चेतावनी दी कि पिछली बाढ़ के दौरान जो हिस्से प्रभावित नहीं हुए थे वहां इस सप्ताह बाढ़ आ सकती है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस ने कहा कि 23 स्थानीय सरकारी क्षेत्रों में आपदा घोषित होने के दो दिन से भी कम समय के बाद बृहस्पतिवार से बाढ़ पीड़ितों के लिए संघीय सरकारी वित्तीय सहायता उपलब्ध होगी। मौसम विज्ञान ब्यूरो के प्रबंधक जेन गोल्डिंग ने कहा कि सिडनी से 450 किलोमीटर (280 मील) दूर कॉफ्स हार्बर के उत्तर में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश हुई है।

आटे की बढ़ती कीमत पर रोक लगाने सरकार ने निर्यात पर बढ़ाई सख्ती

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में आटे की कीमत बढ़ती जा रही है, इस?लिए आटे की बढ़ती कीमत पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने आटा और इससे जुड़े उत्पादों के ?निर्यात पर सख्ती बढ़ा दी है। इससे पहले सरकार ने देश में अनाज की कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए 13 मई को गेहूं निर्यात पर रोक लगा दी थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक आटे के निर्यात के लिए सभी निर्यातकों को इंटर मिनिस्ट्रियल कमेटी ऑन व्हीट एक्सपोर्ट से पूर्व अनुमति लेनी होगी। डायरेक्ट्रोरेट जनरल आफ फारेन ट्रेड (डीजीएफटी) द्वारा जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक नई व्यवस्था 12 जुलाई से लागू होगी। छह जुलाई से पहले लोड किए गए शिपमेंट या 12 जुलाई से पहले कस्टम के पास दाखिल कर दी खेप को निर्यात की अनुमति दी जाएगी। डीजीएफटी के नोटिफिकेशन के मुताबिक आटे के साथ-साथ मैदे और सूजी को भी इस लिस्ट में जारी किया गया है। यानी इनके निर्यात से पहले सरकार से अनुमति लेनी होगी। हालांकि गेहूं के निर्यात पर बैन के बाद देश में आटे की कीमतों में कुछ कमी आई है।

अमेरिका और ब्रिटेन के खुफिया प्रमुखों ने किया आगाह, पश्चिम के लिए सबसे बड़ा खतरा है चीन

लंदन (ईएमएस)। ड्रैगन की विस्तारवादी नीति और बढ़ते वर्चस्व को लेकर अमेरिका और ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एफबीआई और एम.5 के प्रमुखों ने आगाह करते हुए चेतावनी दी है कि पश्चिमी देशों के लिए चीन लंबे समय के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दिग्गज जासूसों ने कहा कि चीन हमारी गोपनीय चीजों को लूटने की योजना बना रहा है और तकनीक की चोरी करना चाहता है। यही नहीं चीन दुनिया को अपने पक्ष में बदलने के लिए दमन का सहारा ले रहा है। दोनों ही खुफिया प्रमुखों ने इतिहास में पहली बार एक साथ आकर दुनिया को चीन के बढ़ते खतरे के प्रति आगाह किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को भी चीन के खतरे से निपटने के लिए तैयार रहना होगा।

ब्रिटिश खुफिया एजेंसी एम.5 के चीफ केन मैककालम ने कहा कि उनके जासूस साल 2018 की तुलना में चीन में 7 गुना ज्यादा जांच अभियान चला रहे हैं। वहीं एफबीआई के प्रमुख क्रिस्टोफर रे ने कहा कि हालात इतने खराब हैं कि वह प्रत्येक 24 घंटे में चीन से जुड़े एक मामले की जांच शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अवधारणा गलत है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ नजदीकी संबंध से बदलाव आएगा। एफबीआई चीफ ने कहा, 'सबसे ज्यादा बड़ी चुनौती जिसका हम सामना कर रहे हैं, वह तेजी से एकाधिकार की ओर जा रही चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से बढ़ रहा है।'

एफबीआई चीफ ने कहा, 'चीन की कम्युनिस्ट पार्टी गुपचुप तरीके से पूरे विश्व में दबाव बना रही है। यह वास्तविक है और यह दबाव डाल रहा है। हमें कार्रवाई करने की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि चीन यूक्रेन पर रूस के हमले से सबक ले रहा है और ऐसी आशंका है कि चीन ताइवान पर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर सकता है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी के प्रमुख ने खुलासा किया कि चीन के पास जासूसों का एक विशाल नेटवर्क है और उसका हैकिंग प्रोग्राम दुनिया के सभी देशों में चलाए जा रहे प्रोग्राम से ज्यादा बड़ा है। उधर, चीन ने कहा है कि उसे अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में ब्रिटेन और अमेरिका से लंबे समय तक चलने वाला सबसे बड़ा खतरा है। दोनों ही खुफिया चीफ ने बताया कि चीन से निपटने के लिए एमआई5 और एफबीआई ने दुनिया के अन्य स्वतंत्र देशों के साथ मिलकर एक अपराजेय टीम बनाई है। उन्होंने कहा कि चीन की सरकार आर्थिक लाभ उठाने के लिए लंबे समय से हैकिंग और सूचनाओं को चोरी करने की गतिविधियों में लिप्त है।

एमआई-6 के पूर्व जासूस के इस कथित डोजियर से पता चला है कि चीन ने हुवावे के समर्थन में माहौल बनाने के लिए ब्रिटेन के नेताओं समेत नामचीन लोगों अपने पाले में मिला रखा था। जासूस ने बताया कि विश्वभर में चीन की सभी बड़ी कंपनियों में एक आंतरिक 'सेल (प्रकोष्ठ)' बना हुआ है जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति जवाबदेह है। इस सेल का काम राजनीतिक अजेंडा चलाना होता है और यह सुनिश्चित करना होता है कि कंपनी राजनीतिक दिशानिर्देशों का पालन करे।

इसी वजह से चीन के विशेषज्ञ यह जोर देकर कहते हैं कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ब्रिटेन समेत पूरी दुनिया में बिजनस के नाम पर सक्रिय है। एक विशेषज्ञ ने बीबीसी से बातचीत में कहा, 'पार्टी के सदस्य हर जगह हैं। चीन के लिए बिजनेस राजनीति से कभी भी अलग नहीं है।' चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के 9.3 करोड़ सदस्य हैं जिसमें से कई लोग विदेश में चीनी संगठनों में तैनात हैं या उन्हें गोपनीय रूप से वहां रखा गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी कंपनियों में महत्वपूर्ण पदों पर तैनात ये 'एजेंट' विभिन्न तरीके से भर्ती किए जाते हैं। ब्रिटिश जासूस ने बताया कि इन एजेंटों को पहले 'सकारात्मक प्रलोभन' देकर मनाया जाता है। खासतौर तब जब लक्षित व्यक्ति गैर चीनी है। इसके तहत पश्चिमी देशों से लोगों को चीन में महत्वपूर्ण बिजनस मीटिंग के नाम पर न्यौता देना। अगर कोई कंपनी संकट में है तो उसे वित्तीय मदद देना या अपनी कंपनी के अंदर कोई पद देना शामिल है। पिछले 10 से 15 साल में चीन ने बहुत तेजी से सकारात्मक लाचल देकर विदेशियों को अपने पाले में मिलाने का काम किया है।

ब्रेंट क्रूड दो महीने में पहली बार 100 डॉलर पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। वै?श्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट लगातार जारी है और ब्रेंट क्रूड दो महीने में पहली बार 100 डॉलर पर आया है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार सुबह पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में पेट्रोल अब भी 96.72 रुपए लीटर मिल रहा है। कंपनियों ने 6 अप्रैल के बाद से इसकी कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है, जबकि क्रूड के भाव एक समय 140 डॉलर प्रति बैरल तक चले गए थे। हालांकि, लगातार गिरावट से गुरुवार सुबह ब्रेंट क्रूड 100.3 डॉलर प्रति बैरल जबकि डब्ल्यूटीआई 98.23 डॉलर प्रति बैरल रहा। इन शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम - दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 109.27 रुपए और डीजल 95.84 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर. नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है, पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

विदेशी निवेशकों ने फिर निकाली रकम

मुंबई (ईएमएस)। विदेशी निवेशकों ने दो दिन पहले भारतीय शेयर बाजार में करीब डेढ़ महीने बाद निवेश किया था लेकिन पिछले सत्र में उन्होंने फिर निकासी शुरू कर दी। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार से 330.13 करोड़ रुपए के शेयर बेचकर पैसे निकाल लिए। हालांकि इसी दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,464.33 करोड़ रुपए के शेयर खरीद डाले। यही कारण रहा कि पिछले सत्र में बाजार ने बड़ी बढ़त बनाई थी।

कैंसर टयूमर से बने टीके से होगा, कैंसर मरीजों का उपचार

पेरिस (ईएमएस)। कैंसर मरीजों के लिए एक अच्छी खबर है। कैंसर मरीज के स्वयं के टयूमर से टीके के ट्रायल का नतीजा उत्साहजनक है। सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित 8 मरीजों को उनके ही टयूमर से वैक्सीन का टीका बनाने के बाद उपचार किया गया। वैक्सीन लगाने के 4 माह बाद भी उनके शरीर में कैंसर के टयूमर फिर से नहीं बने। इसको लेकर वैज्ञानिक बड़े उत्साहित हैं।

इस नई वैक्सीन का कोड नाम टीजी 4050 रखा गया है। फ्रांस की कंपनी ट्रांसजेने के द्वारा यह तकनीकी विकसित की गई है।इसमें जेनेटिकली मॉडिफाइड वेक्सिनिया वायरस का उपयोग किया गया है। जो उसी फैमिली का माना जाता है। ट्रांसजेने के चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर ब्रांडली के अनुसार कैंसर के उपचार की दिशा में इस तकनीकी और टीका से कैंसर मरीजों के लिए एक नई उम्मीद जागी है। यह टीका हर मरीज के लिए अलग-अलग तैयार किया जा सकता है।

जन हितैषी

मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद स्थित साइंस सिटी से 'गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़' का शुभारंभ कराया

- क्विज़-प्रतियोगिता से नगरों-महानगरों के स्कूल-कॉलेजों में एक लहर पैदा होगी

- क्विज़ के आयोजन का उद्देश्य राज्य के विद्यार्थियों के ज्ञान में अभिवृद्धि करना हैः शिक्षा मंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़ हमारी भावी पीढ़ी को जानकार, सूचनाप्रद तथा ज्ञानी बना कर विश्व के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने का दूरदर्शितापूर्ण क़दम है। इस क्विज़ से नगरों-महानगरों तथा कॉलेजों में एक लहर पैदा होगी। इस क्विज़ से पठन-पाठन के साथ-साथ प्रतिस्पर्धा करने का भाव भी प्रबल बनेगा। पटेल ने गुरुवार को अहमदाबाद स्थित साइंस सिटी से देश की सबसे बड़ी 'गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़' का शुभारंभ कराया। यह क्विज़ आगामी 75 दिवसों के दौरान तहसील, ज़िला एवं राज्य स्तर पर आयोजित होगी, जिसमें स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी तथा साधारण नागरिक सहित 25 लाख से अधिक प्रतियोगी भाग लेने वाले हैं। वेबसाइट, ई-पुस्तिका एवं ऑनलाइन कम्पीटिशन के माध्यम से इस राज्यव्यापी प्रतियोगिता को डिजिटल रूप दिया गया है। 'गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़' के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य सरकार की विभिन्न योजनाओं तथा नीति नियमों सहित सामान्य ज्ञान से विद्यार्थियों-नागरिकों को अवगत करना है। इस क्विज़ से प्रत्येक प्रश्न के उत्तर गूगल से जान लेने वाली आज की पीढ़ी को स्मृति आधारित उत्तर देने तथा मन के चिंतन की आदत पड़ेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात के एजुकेशन सेक्टर के ग्रोथ ने आकाश को पार किया है। शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में नित-नए बदलाव आ रहे हैं, नई पहलें हों रही हैं। 'गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़' राज्य की बाल एवं यवा पीढ़ी को गुजरात की सर्वग्राही विकास यात्रा में सहभागी बनाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान शुरू किए गए 'वाँचे गुजरात' (पढ़े गुजरात) अभियान के सुफलों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने विकास की आधार समान भावी पीढ़ी को खिलने तथा विश्व के साथ बराबरी करने के अवसर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़ सरकार की विभिन्न योजनाओं का सेचुरेशन-100 प्रतिशत लाभार्थी कवरेज सिद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस क्विज़ से योजनों की जानकारी अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रत्येक योजना सामान्य से सामान्य नागरिक को ध्यान में रख कर तैयार की गई है और इन योजनाओं को अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचाने की तमाम प्रकार की व्यवस्थाएँ राज्य सरकार द्वारा की जा रही हैं। इस कार्य में यह क्विज़ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी तथा राज्य की पहली क्विज़ का आज से मुख्यमंत्री ने शुभारंभ कराया है। इस क्विज़ में 25 लाख विद्यार्थी भाग लेने वाले हैं। क्विज़ के आयोजन का उद्देश्य राज्य के विद्यार्थियों के ज्ञान में अभिवृद्धि करना है। वाघाणी ने कहा कि शिक्षा सामाजिक व्यवस्थाओं का बड़ा निवेश मानी जाती है। ऐसे में राज्य के शिक्षा क्षेत्र में विकास के अनेक नए आयाम शुरू किए गए हैं। राज्य के विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए गुजरात सरकार कटिबद्ध है। विज्ञान की जानकारी बढ़ाने वाली साइंस सिटी देखने के लिए पिछले 8 महीनों में 8 लाख लोग आए हैं। शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों के अलावा अभिभावकों से भी इस क्विज़ में सहभागी होने का अनुरोध किया।

उद्योग एवं सहकारिता मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने कहा कि देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत समय पहले राज्य में ऑफ़लाइन क्विज़ शुरु कराई थी। उन्होंने कहा कि राज्य के विद्यार्थियों को राज्य के विकास की यात्रा से अवगत कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़ का आज से राज्यव्यापी शुभारंभ हुआ है। यह नूतन प्रयोग नए परिणाम प्रस्थापित करेगा। शिक्षा राज्य मंत्री कुबेर डिंडोर ने कहा कि 20 वर्ष का विश्वास-20 वर्ष का विकास लोगों तक पहुँचा है। सरकार की योजनाओं की जानकारी देने वाली गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़ का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोग लेखन-पठन-पाठन में डिजिटल माध्यम का अधिकतम् उपयोग करने लगे हैं। ऐसे में इस प्रकार की क्विज़ समय की मांग है और विद्यार्थियों को राज्य के विकास से अवगत कराने के उद्देश्य से यह क्विज़ आयोजित की गई है।

उल्लेखनीय है कि राज्य के शिक्षा विभाग द्वारा इस मेगा क्विज़ कम्पीटिशन का आयोजन किया गया है, जिसमें राज्य के कक्षा 9 से 12, कॉलेज तथा यूनिवर्सिटी स्तर पर पढ़ाई करने वाले सभी विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। तहसील, ज़िला तथा राज्य; सभी स्तर पर विजेता होने वाले प्रतियोगियों को आकर्षक पुरस्कार तथा सभी प्रतियोगियों को गुजरात सरकार स्तरीय प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएँगे। विद्यार्थियों के लिए यह क्विज़ प्रतिदिन आयोजित होगी और 15 पखवाड़ों तक चलेगी। इस क्विज़ में विद्यार्थियों के अलावा राज्य के पढ़ाई न करने वाले आम नागरिक भी भाग ले सकेंगे, जिन्हें अलग रूप में प्रोत्साहित किया जाएगा। गुजरात ज्ञान गुरु क्विज़ में लगभग 25 लाख से आधिक विद्यार्थियों के भाग ले सकने योग्य आयोजन भी किया गया है। प्रथम चरण में ऑनलाइन क्विज़ तहसील-नगर पालिका/वॉर्ड स्तर पर, द्वितीय चरण में ज़िला-महानगर पालिका स्तर पर तथा तृतीय व अंतिम चरण में ऑफ़लाइन क्विज़ राज्य स्तर पर आयोजित की जाएगी। इस क्विज़ के लिए हज़ारों प्रश्न समाहित किए गए हैं, जिनमें केन्द्र थथा राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएँ, योजनाओं के मुख्य उद्देश्य, लाभार्थी, अब तक योजनाओं में प्राप्त उपलब्धियाँ, लाभार्थियों की संख्या, राशि तथा विद्यार्थियों के अनुभवगत प्रश्न शामिल हैं। इसके लिए प्रश्न बैंक स्क्रूटिनी कमिटी का भी गठन किया गया है।

क्विज़ सप्ताह में हर रविवार से शुरू होकर हर शुक्रवार को समाप्त होगी और हर शनिवार को विजेता घोषित होंगे। हर सप्ताह तहसील व वॉर्ड स्तरीय स्कूल-कॉलेज-यूनिवर्सिटी विभाग को प्रति-प्रतियोगी प्रति क्विज़ की समयावधि 20 मिनट रहेगी तथा हर क्विज़ में 20 क्विज़ रहेंगी। हर दिन 250 क्विज़ की डिजिटल पुस्तिका प्रतियोगियों को मार्गदर्शिका के रूप में ऑनलाइन प्राप्त होगी। इसके अलावा हर सप्ताह तहसील तथा वॉर्ड स्तरीय स्कूल-कॉलेज-यूनिवर्सिटी विभाग के 10-10 विजेता घोषित किए जाएँगे। ज़िला स्तरीय प्रतियोगिता पूर्ण होने के बाद राज्य स्तरीय अंतिम प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसमें समग्र प्रतियोगिता के दौरान ज़िला व महानगर पालिका स्तरीय विजेता प्रतियोगी भाग लेने के योग्य कहलाएँगे। क्विज़ ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएगी। विद्यार्थियों को साइंस सिटी की टूर तथा विजेता विद्यार्थियों को विख्यात स्थलों की स्टडी टूर कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त सभी प्रतियोगियों को गुजरात सरकार स्तरीय प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर हाईकोर्ट ने जताई चिंता, कोर्ट में भीड़ करने से बचें लोग

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में खासकर अहमदाबाद शहर में जिस तेजी से कोरोना के नए मामले बढ़ रहे हैं, उसे देख हाईकोर्ट ने भी चिंता जताई हैं अहमदाबाद शहर फिर एक बार कोरोना का एपी सेंटर बनता जा रहा हैं लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए हाईकोर्ट ने ऐहतियाती कदम उठाने की शुरुआत कर दी हैं गुजरात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश ने कोर्ट रूम में भीड़ करने से बचने की हिदायत दी हैं कोर्ट में रूम में वकील, शिकायतकर्ता और आरोपी के अलावा अन्य किसी को भी मौजूद रहने की जरूरत नहीं हैं गुजरात सरकार के कोरोना नियमों का सभी लोगों को कड़ाई से पालन करने और ऐहतियात बरतने की जरूरत हैं दूसरी ओर अहमदाबाद में आज 4 इलाकों में माइक्रो कंटेंटमेंट जोन घोषित किया गया हैं जिसमें अहमदाबाद के सरखेज स्थित ऑर्चिड हारमनी के 23 निवासी, बोपल स्थित स्वाति फ्लोरन्स के 7 निवासी, न्यू राणीप के आश्रय-9 के 18 निवासी और नवरंगपुरा क्षेत्र के शाकुन्तल फ्लैट 24 निवासियों को माइक्रो कंटेंटमेंट जोन में रखा गया हैं

गुजरात में तेजी से बढ़ रहे हैं कोरोना के मामले, 24 घंटों में 717 नए मरीज

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में फिर एक बार कोरोना के नए केसों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही हैं जिसमें अहमदाबाद शहर फिर एक बार कोरोना का एपी सेंटर बनता जा रहा हैं पिछले 24 घंटों में राज्य में 717 नए मामले सामने आए हैं, जिसमें 309 नए मरीज अहमदाबाद शहर में दर्ज हुए हैं इस दौरान 562 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया दूसरी ओर गुरुवार को राज्य में 71478 लोगों को कोरोना के डोज दिए गए स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 309, सूरत कॉर्पोरेशन में 88, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 31, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 29, सूरत में 28, वलसाड में 21, भावनगर कॉर्पोरेशन में 16, राजकोट कॉर्पोरेशन में 15, नवसारी में 14, मोरबी में 13, कच्छ में 8, राजकोट में 5, साबरकांठा में 5, अमरेली में 4, आणंद में 4, गांधीनगर में 4, सुरेन्द्रनगर में 4, जामनगर में 3, अरवल्ली में 2, खेडा में 2, गिर सोमनाथ में 1, जामनगर कॉर्पोरेशन में 1, जूनागढ़ में 1 और पोरबंदर में 1 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 717 कोरोना के नए केस दर्ज हुए हैं इसी के साथ राज्य में एक्टिव केसों की संख्या 3878 पर पहुंच गई हैं जिसमें 1 मरीज वेन्टीलेटर पर है और अन्य 3878 स्टेबल हैं 24 घंटों में 562 लोगों को डिस्चार्ज किए जाने के साथ ही राज्य में अब तक 1221244 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 98.80 प्रतिशत रह गया हैं आज राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई हैं राज्य में कोरोना अब तक 10948 मरीजों को निगल चुका हैं दूसरी ओर राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत आज 71478 डोज दिए गए जिसमें 18 वर्ष से अधिक आयु के 1534 नागरिकों को पहला और 11266 को दूसरा डोज दिया गया 15 से 17 वर्षीय 2015 को पहला और 5534 लोगों को दूसरा टीका लगाया गया जबकि 34860 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिए गए वहीं 12 से 14 वर्षीय 8249 किशोरों को पहली और 8020 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई राज्यभर में अब तक 11 करोड़ 17 लाख 71 हजार 081 कोरोना के डोज दिए जा चुके हैं

राज्य सरकार दिव्यांगों को शिक्षा व सम्मानपूर्ण जीवन मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

- 'दिव्यांग समीपे' योजना की पहल दिव्यांगजनों को लर्निंग लॉस से उबारने में वरदान सिद्ध होगी

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद ज़िला पंचायत शिक्षा समिति की 'दिव्यांग समीपे' (दिव्यांगों के निकट) योजना का गुरुवार को शुभारंभ करते हुए कहा कि 'दिव्यांग समीपे' योजना की पहल दिव्यांगजनों को लर्निंग लॉस से उबारने में वरदान सिद्ध होगी। पटेल ने दिव्यांग विद्यार्थियों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए एक जगमगाते अवसर में सहभागी होने पर हर्ष व्यक्त किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात से आरंभ की गई विकास की राजनीति तथा कार्य संस्कृति से गुजरात आज विकास में अग्रसर बना है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र ने दिव्यांगजनों के लिए गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं सम्मानपूर्ण जीवन का सेवा यज्ञ शुरू कर जो ज्योत जलाई है, वह आज भी प्रज्ज्वलित है और उस ज्योत को और अधिक जगमगाने का यह अवसर है। नरेन्द्र ने दिव्यांग जैसी सम्मानजनक पहचान देकर दिव्यांगों के प्रति लोगों का दृष्टिकोण बदला। प्रधानमंत्री ने अपना जन्म दिवस नवसारी में मनाते हुए दिव्यांगों को 11 हज़ार करोड़ रुपए की साधन सहायता देकर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया था। मुख्यमंत्री ने 'वंदे गुजरात' के संदर्भ में कहा कि पिछले 20 वर्षों में गुजरात के 8796 दिव्यांगजनों को 100 करोड़ रुपए की साधन सहायता तथा अन्य दिव्यांगजनों को 190 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति सहायता दी गई है। तदुपरांत जन्म से मूक-बधिर 2463 दिव्यांग बच्चों की 87 करोड़ रुपए के ख़र्च से कॉकलियर इम्प्लांट सर्जरी निःशुल्क की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनसांकेतिक भाषा में वीडियो कॉल से अपनी समस्याओं तथा परेशान करने वाली उलझनों का त्वरित निवारण प्राप्त कर सकें; इस उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा हेल्पलाइन शुरू की गई है।

इस अवसर पर पंचायत राज्य मंत्री ब्रिजेश मेरजा ने 'दिव्यांग समीपे' योजना को ईश्वरीय कार्य बताते हुए समग्र ज़िला प्रशासन को अभिनंदन दिया। उन्होंने कहा कि इस समय जब समग्र राज्य में डिजिटल सप्ताह मनाया जा रहा है, तब अहमदाबाद ज़िला पंचायत द्वारा शुरू की गई 'दिव्यांग समीपे' पहल के अंतर्गत विभिन्न सॉफ़्टवेयर का वितरण दिव्यांग विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाएगा। इस योजनांतर्गत अहमदाबाद ज़िला पंचायत एवं उसकी शिक्षा समिति द्वारा 21 प्रकार की दिव्यांगता वाले बच्चों को विभिन्न उपकरण सहायता एवं जीवनोपयोगी वस्तुओं से लाभान्वित किया गया। अहमदाबाद ज़िला पंचायत शिक्षा समिति द्वारा इस योजना के लिए 59.80 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। 'दिव्यांग समीपे' योजना का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को साधारण बच्चों के समकक्ष बनाना, उनकी शैक्षणिक एवं मानसिक क्षमताओं में वृद्धि करने के लिए विशेषज्ञ टीम द्वारा एसेसमेंट कर विभिन्न उपकरणों एवं अलग-अलग सॉफ़्टवेयर की सहायता प्रदान करना है।

अहमदाबाद ज़िला पंचायत की 'दिव्यांग समीपे' पहल के अंतर्गत विभिन्न समाजसेवी संस्थाएँ भी जुड़ी हैं, जिनमें युवा अनस्टॉपेबल संस्था ने बच्चों को लेटेस्ट कंटेंट से युक्त लगभग 506 ऋटेबलेट दिए हैं, जबकि वी-हीयर संस्था ने 157 इयर पल्स डिवाइस दी गई हैं। अहमदाबाद ज़िला पंचायत शिक्षा समिति एवं विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं द्वारा इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए दिव्यांग बच्चों को कुल 4.43 करोड़ रुपए की राशि की विभिन्न साधन सहायता प्रदान की गई है।

इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री भूपेंद्रसिंह चुडासमा तथा विधायक बाबूभाई पटेल, अहमदाबाद ज़िला कलेक्टर संदीप सांगले, ज़िला विकास अधिकारी अनिल धामेलिया, ज़िला पंचायत के उपाध्यक्ष रमेशभाई मकवाणा, ज़िला पंचायत के अन्य पदाधिकारी, शैक्षणिक वं सामाजिक अग्रणी सहित बड़ी संख्या में दिव्यांग विद्यार्थी और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

राज्य की उच्च शिक्षा पद्धति को नई ऊर्जा-नई दिशा देने में उद्दीपक की भूमिका निभाएगा 'गरिमा सेल' : मुख्यमंत्री

- 'गुजरात एक्रेडिटेशन एण्ड रैंकिंग इंस्टीटयूट मैकेनिज़्म एण्ड अरैंजमेंट'-गरिमा सेल की ई-लॉन्चिंग

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा है कि राज्य की उच्च शिक्षा पद्धति को नई ऊर्जा-नई दिशा देने में गरिमा सेल एक उद्दीपक की भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र द्वारा लोकहित में परिणामोन्मुखी कार्यक्रम करने की सिखी गई नीति-रीति को हमने बनाए रखा है। गरिमा सेल राज्य के शिक्षा क्षेत्र की गरिमा को अधिक उन्नत करेगा। पटेल ने उच्च शिक्षा संस्थानों को विभिन्न प्रकार की रेटिंग तथा रैंकिंग प्राप्त करने में मार्गदर्शक संस्था गरिमा सेल की गुरुवार को साइंस सिटी से ई-लॉन्चिंग की। देश में कार्यरत प्रथम इस 'गुजरात एक्रेडिटेशन एण्ड रैंकिंग इंस्टीटयूट मैकेनिज़्म एण्ड अरैंजमेंट-गरिमा' सेल का मुख्यालय इण्डियन इंस्टीटयूट ऑफ़ टीचर्स एजुकेशन (आईआईटीई) में कार्यरत रहेगा। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गुजरात के एजुकेशन सेक्टर के ग्रोथ ने आकाश को छुआ है। गुजरात देश का ग्रोथ इंजन है। शिक्षा सहित प्रत्येक क्षेत्र में नित-नए बदलाव आ रहे हैं, नई पहलें हो रही हैं। प्रधानमंत्री ने ज्ञान शक्ति, ऊर्जा शक्ति, रक्षा शक्ति, जल शक्ति तथा जन शक्ति के आधार स्तंभ पर गुजरात की सर्वांगीण प्रगति यात्रा कराई है। गरिमा प्रकोष्ठ की स्थापना से राज्य सरकार ने इस यात्रा के मार्ग पर एक और क़दम उठाया है। उन्होंने कहा कि गुजरात में वर्ल्ड क्लास इनस्ट्रक्चर वाले, गुणवत्तायुक्त शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाले संस्थान कार्यरत हैं। सेक्टर स्पेशिफ़िक एजुकेशन देने वाली यूनिवर्सिटियाँ चल रही हैं। इन संस्थानों को नेशनल तथा इंटरनेशनल लेवल पर रैंकिंग लेने के लिए तैयार किया गया गरिमा सेल कुंजीरूपी भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री जीतू वाघाणी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने नई शिक्षा नीति देकर देश के एजुकेशन सेक्टर की कायापलट शुरू की है। गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य के उच्च शिक्षा संस्थान विकसित हो रहे हैं, नई उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहे हैं। गुजरात के निजी व सरकारी शिक्षा संस्थानों में विदेश के सैकड़ों विद्यार्थी गुजारत आकर पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गरिमा सेल राज्य के ऐसे उच्च शिक्षा संस्थानों को उनकी गुणवत्ता बनाए रखने में सहायक बनेगा। गुजरात में दो दशक पहले 8 यूनिवर्सिटियाँ थीं, जो आज बढ़ कर 102 हो गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के 20 वर्ष के सुशासन का यह सुफल है।

शिक्षा राज्य मंत्री कुबेरभाई डिंडोर ने कहा कि गरिमा सेल कार्यरत होने से राज्य के शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आएँगे और उच्च शिक्षा व्यवस्था की कायापलट होगी। यह सेल राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों के माध्यम से सुचारु मूल्यांकन कराने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि गरिमा सेल एक नवीन पहल है, जो राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों को अत्याधुनिक एवं समयानुकूल शिक्षा देने के मार्ग में तेज़ प्रगति करने में मार्गदर्शक बनेगी। शिक्षकों, शैक्षिक संस्थानों के संचालकों को ज़रूरी मार्गदर्शन देकर गरिमा सेल सहायक बनेगा।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर सतनाम सिंह संधू ने कहा कि गुजरात सरकार व उसके शिक्षा विभाग का कार्य एवं दृष्टिकोण अत्यंत प्रशंसनीय है। देश के किसी भी राज्य में जब जाते हैं, तब गुजरात के सर्वांगीण विकास की चर्चा अवश्यक सुनते हैं। गरिमा सेल के माध्यम से से गुजरात देश को टॉप रैंकर तथा टॉप रेटेड यूनिवर्सिटियाँ देगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से 'विद्या सुरभि' पुस्तक का अनावरण किया गया। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू भी एक्सचेंज किया गया।

बीएसएफ ने हरामीनाला के निकट से 10 पाकिस्तानी बोट समेत 4 मछुआरों को पकड़ा

कच्छ (ईएमएस) कच्छ के हरामीनाला के निकट से भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने फिर एक बार बड़ी कार्यवाही करते हुए 10 पाकिस्तानी बोट समेत 4 मछुआरों को दबोच लिया कच्छ के हरामीनाला के निकट गैरकानूनी गतिविधियों से निपटने के लिए बीएसएफ की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं गश्त के दौरान बीएसएफ के खास अम्बुस बल द्वारा पिलर संख्या 1165 और 1166 के निकट से 10 पाकिस्तानी बोट समेत 4 मछुआरों को धर लिया हांलाकि पाकिस्तानी बोट की तलाशी में मछली के अलावा और कुछ बरामद नहीं हुआ गौरतलब है हरामीनाला के निकट आए दिन बीएसएफ द्वारा पाकिस्तानी बोट समेत मछुआरों को पकड़ा जाता हैं 10 दिन पहले भी बीएसएफ ने 2 पाकिस्तानी मछुआरों को पकड़ा था उसी हरामीनाला क्षेत्र से फिर एक बार बीएसएफ ने 10 पाकिस्तानी बोट समेत 4 मछुआरों को गिरफ्तार किया हैं

धोलेरा एसआईआर का भारत सरकार के मिल रहे सम्पूर्ण सहयोग से आधुनिक इनस्ट्रक्चर डेवलप हो पाया है

गांधीनगर (ईएमएस) नेशनल इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम की एपेक्स कमिटी की पहली बैठक गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में आयोजित हुई। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल इस बैठक में गांधीनगर से वीडियो कॉन्स के माध्यम से सहभागी हुए। गुजरात के साथ ही हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश एवं उत्तरांखड राज्यों के मुख्यमंत्री और अन्य राज्यों के उद्योग मंत्री भी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

बैठक में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना को वास्तविक रूप देने के लिए धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (एंिं)को केन्द्र सरकार द्वारा मिल रहे सहयोग पर आभार व्यक्त किया। पटेल ने कहा कि दिल्ली-मुंबई इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर (अ्घ्घ)के अंतर्गत गुजरात की धोलेरा एंिं परियोजना ग्रीनफ़ील्ड इण्डस्ट्रियल स्मार्ट सिटी की परिकल्पना पर साकार हो रही है। धोलेरा एसआईआर परियोजना राज्य सरकार की मुख्य परियोजना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत सरकार के सहयोग से यह परियोजना पीएम गतिशक्ति मास्टर प्लान तथा मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी में माइलस्टोन सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि धोलेरा एंिं को केन्द्र सरकार के मिल रहे सम्पूर्ण सहयोग से ही आधुनिक इनस्ट्रक्चर डेवलप हो पाया है। इतना ही नहीं, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (र्फ्फि) द्वारा भी यहाँ द्रुतगामी मार्ग (एक्सप्रेस-वे) का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने बैठक में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की समिति (र्ण्ण) की गत माह आयोजित बैठक में धोलेरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना को सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई है, जिसके परिणामस्वरूप अब एयरपोर्ट प्रोजेक्ट पर तेज़ी से काम किया जा सकेगा। भूपेंद्र पटेल ने धोलेरा में स्थापित होने वाले उद्योगों के लिए रेलवे कनेक्टिविटी सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता के संदर्भ में कहा कि इस हेतु भीमनाथ-धोलेरा रेल परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रगति पर है तथा संयुक्त मापन सर्वेक्षण पूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आगामी 6 महीनों में इस रेल परियोजना के लिए भूमि उपलब्धता के साथ-साथ निविदा प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए भी प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात नेशनल इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम में सम्पूर्ण सहयोग देने को तत्पर है।

गुजरात के नगरों में बनेंगे 'मॉडल फायर स्टेशन', मुख्यमंत्री ने मंज़ूर किए 105.82 करोड़

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के अग्निशमन बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाकर उसे समयानुकूल उपकरणों से लैस करने का जनहितकारी दृष्टिकोण अपनाया है। राज्य में किसी भी तरह की छोटी-बड़ी प्राकृतिक या मानव सृजित आपदा के दौरान अग्निशमन सेवाओं की आवश्यकता और महत्व को ध्यान में रखते हुए भूपेंद्र पटेल ने राज्य की 32 नगर पालिकाओं में अत्याधुनिक 'मॉडल फायर स्टेशन' के निर्माण की दिशा पकड़ी है। इस संदर्भ में उन्होंने मॉडल फायर स्टेशन के निर्माण के लिए आणंद नगर पालिका को 6 करोड़ 30 लाख रुपए, नड़ियाद नगर पालिका को 6 करोड़ 22 लाख रुपए, गोधरा नगर पालिका को 5 करोड़ 94 लाख रुपए और अमरेली नगर पालिका को 5 करोड़ 12 लाख रुपए सहित राज्य की 4 नगर पालिकाओं को कुल 23.58 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। यह मॉडल फायर स्टेशन 5100 वर्ग मीटर क्षेत्र में आकार लेंगे। लगभग 2500 वर्ग मीटर स्थान फायर स्टेशन और स्टाफ क्वार्टर के लिए रखकर शेष जगह का उपयोग मॉकड्रिल और फायर उपकरण रखने के लिए किया जाएगा। नगर पालिकाओं के इस मॉडल फायर स्टेशनों में वाटर ब्राउजर, फायर फाइटर और बुलेट फायर जैसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध होंगे। उल्लेखनीय है कि शहरी विकास विभाग ने राज्य के 32 जिलों की 32 नगर पालिकाओं में जिले का मुख्य फायर स्टेशन बनाने के लिए 32 विभागीय कार्यालय निर्धारित किए हैं। जिसके अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 में जिला स्तरीय मुख्यालय की 16 नगर पालिकाओं में फायर स्टेशन के निर्माण के लिए प्रति नगर पालिका 5.14 करोड़ रुपए के हिसाब से 82.24 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक अनुमति मिल चुकी है। इतना ही नहीं, 2022-23 के बजट में प्रति फायर स्टेशन 1 करोड़ रुपए के हिसाब से 16 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया गया है। इन 32 नगर पालिकाओं के दमकल केंद्रों की सेवाओं को और भी सुदृढ़ बनाने के लिए प्रत्येक नगर पालिका में 21 दमकल कर्मियों सहित कुल 672 नई रिक्तियों में से ज्यादातर पदों पर भर्ती भी की गई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जिला स्तरीय मॉडल फायर स्टेशन के निर्माण के लिए जो रणनीति अपनाई है, उससे जिलों में फायर-अग्नि दुर्घटना के समय तत्काल राहत और बचाव कार्य तेजी से हो सकेंगे।

कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में 125 सीटें जीतने के लिए उतारी दिग्गज नेताओं की फौज

अहमदाबाद (ईएमएस) एक के बाद एक नेताओं के पार्टी छोड़ने के बावजूद कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मजबूती के साथ आगे बढ़ रही हैं कांग्रेस ने गुजरात विधानसभा चुनाव में 125 सीटें जीतने के लिए कमर कस ली है और इसके लिए दिग्गज नेताओं की फौज उतार दी हैं साथ ही राज्य की 26 लोकसभा सीटों पर ऑब्जर्वर की नियुक्ति कर दी है और जल्द ही 5 कार्यकारी प्रमुखों की भी नियुक्ति करेगी गौरतलब है गुजरात कांग्रेस में ना तो गुटबंधी खत्म हो रही है और ना ही पार्टी छोड़ने का सिलसिला थम रहा हैं चुनाव निकट आते ही अब तक कांग्रेस के कई नेता भगवा धारण कर चुके हैं जिसे लेकर कांग्रेस हाईकमांड पार्टी के गुजरात प्रभारी रघु शर्मा के कामकाज से नाराज हैं आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को मजबूत करने के लिए हाईकमांड ने प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व को आदेश देते हुए लोकसभा की 26 सीटों पर ऑब्जर्वर की नियुक्ति कर दी हैं अब जल्द ही गुजरात कांग्रेस में पांच कार्यकारी प्रमुखों की नियुक्ति की जाएगी गुजरात विधानसभा की सभी 182 सीटों पर कांग्रेस जन संपर्क अभियान चलाएगी कांग्रेस हाईकमांड का मानना है कि पदाधिकारियों की घोषणा किए जाने के बाद भी संगठन को और मजबूत करने की जरूरत हैं कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर मजबूत रणनीति बना रही है, लेकिन भाजपा का गढ़ मानी जाती सीटों पर समय से पहले उम्मीदवारों की घोषणा पर खामोश हैं कुछ समय पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दावा करते थे कि जिन सीटों पर भाजपा मजबूत है और कांग्रेस बड़े अंतर से चुनाव हार जाती है, उन सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा समय से पहले ही कर दी जाएगी ताकि उम्मीदवार को अपने क्षेत्र में काम करने का पूरा मौका मिले गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा के मुताबिक उनकी पार्टी गुजरात विधानसभा चुनाव स्थानीय मुद्दों पर लड़ेगी और 2017 की तरह 2022 में भी मुख्यमंत्री पद के चेहरे का ऐलान नहीं करेगी

पश्चिम रेलवे ने चालू वित्तीय वर्ष में स्क्रैप बिक्री में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा किया पार

पश्चिम रेलवे अपने सभी रेलवे प्रतिष्ठानों और इकाइयों को ठमिशन जीरो स्क्रैपठ के अंतगर्त स्क्रैप मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पश्चिम रेलवे ने इस दिशा में इस वित्तीय वर्ष में लगातार प्रयास जारी रखते हुए स्क्रैप बिक्री से 100 करोड़ रु. का बड़ा आंकड़ा पार कर लिया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ''जीरो स्क्रैप मिशन'' की दिशा में आगे बढ़ते हुए पश्चिम रेलवे ने इस वित्तीय वर्ष में अभी तक 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के स्क्रैप की बिक्री की है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 47.89 करोड़ रु. के आंकड़े से 105ड़ अधिक है। इससे ब्लॉक्ड निधि के मुद्रीकरण और परिणामस्वरूप राजस्व सृजन में मदद मिली है। वर्ष 2021-22 में भी पश्चिम रेलवे द्वारा 513.46 करोड़ रु. की स्क्रैप बिक्री की गई थी।

हिन्दुओं को मिल रही धमकियों के चलते विश्व हिन्दू परिषद में शुरू की हेल्पलाइन

अहमदाबाद (ईएमएस) नुपुर शर्मा के विवादित बयान के बाद देशभर में धमकियों का एक सिलसिला हो गया हैं गुजरात में ऐसी धमकियां सामने आने के बाद विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने हिन्दुओं के लिए हेल्पलाइन शुरू करने का फैसला किया है इसके नंबर जारी किए हैं राज्य के तीन शहरों में यह हेल्पलाइन शुरू कर दी गई हैं विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्रीय सचिव अशोक रावल के मुताबिक देशभर में जेहादी तत्वों द्वारा हिन्दुओं को धमकियां दी जा रही हैं इन धमकियों के खिलाफ विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल हिन्दुओं के साथ ही खड़े थे, लेकिन अब उन्होंने हिन्दुओं के हेल्पलाइन शुरू कर दी हैं अगर किसी हिन्दू को धमकी मिलती है या उसे परेशान किया जा रहा है तो विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल उसे कानूनी और आर्थिक मदद करेंगे विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल की हेल्पलाइन उत्तर गुजरात, दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में शुरू की गई है और यह 24 घंटे कार्यरत रहेंगी उत्तर गुजरात में हेल्पलाइन का नंबर 8735873595, सौराष्ट्र में 777775774 और 9879014841 तथा दक्षिण गुजरात में 9426363324 जारी किया गया हैं

परम पावन दलाई लामा के जन्मदिन और दुनिया के बौद्धों की सबसे पुरानी संस्था महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिन अवसर पर गुजराती साहित्य परिषद के हॉल में तिब्बत की स्वतंत्रता में भारत की सुरक्षा पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

परम पावन दलाई लामा के जन्मदिन और दुनिया के बौद्धों की सबसे पुरानी संस्था महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिन अवसर पर गुजराती साहित्य परिषद के हॉल में ठतिब्बत की स्वतंत्रता में भारत की सुरक्षा ठ पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ

राष्ट्रीय समन्वयक डॉ.अमित ज्योतिकर ने विषय की भूमिका का निर्माण करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में भी गुजरात,डॉ. अंबेडकर की समानता की लड़ाई में भी गुजरात सबसे आगे है आज तिब्बत की आजादी में भारत की सुरक्षा के साथ-साथ कैलाश मानसरोवर मुक्ति आंदोलन के विचार के साथ भारत तिब्बत मैत्री संघ पिछले 63 साल से कार्य कर रही है

यह एक ऐसा संगठन है जिसमें जॉर्ज फर्नांडीज पूर्व स्पीकर रवि राय गांधीवादी नेता निर्मला दीदी के साथ-साथ प्रसिद्ध इतिहासकार और अम्बेडकर साहित्य के ज्ञाता डॉ. पी.जी. ज्योतिकर ने समय-समय पर मार्गदर्शन किया है। 1959 से, भारत-तिब्बत मैत्री संघ तिब्बत की मुक्ति में निस्वार्थ भाव से शामिल रहा है।

विश्व की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष श्यामाप्रसाद मुखर्जी के कार्यकाल भगवान बुद्ध से जुड़े स्मारक एवं साहित्य और बौद्ध संस्कृति रक्षा करने के पावन कार्यों के लिए जन्मदिवस के अवसर पर विश्व के बौद्ध देश सदैव ऋणी रहेंगे।

गांधीग्राम-बोटाद सेक्शन में 6 स्टेशनों पर टिकट रिजर्वेशन की सुविधा पुनः बहाल

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु गांधीग्राम-बोटाद सेक्शन के बीच 6 स्टेशनों गांधीग्राम, वस्त्रापुर, सरखेज, बावला, धोलका और धंधुका पर रेल टिकट आरक्षण (ड्डिए) की सुविधा उपलब्ध है। गांधीग्राम-बोटाद रेल खंड के बीच गेज कन्वर्जन कार्य की वजह से उपरोक्त स्टेशनों पर आरक्षण सुविधा अस्थाई रूप से बंद की गई थी, परन्तु अब इस खंड पर गेज कन्वर्जन कार्य पूर्ण होने पर इन स्टेशनों पर आरक्षण सुविधा पुनः बहाल कर दी गई है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त आरक्षण केन्द्रों का अधिक से अधिक लाभ लें।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बुढार-अमलाई सेक्शन में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते ये ट्रेनें रहेंगी निरस्त

अहमदाबाद (ईएमएस) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में बिलासपुर मंडल के अमलाई-बुढ़ार डबल लाइन विद्युतीकृत खंड के बुढ़ार में तीसरी लाइन कनेक्टिविटी को शुरू करने के लिए प्री नॉन-इंटरलॉकिंग/नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें निरस्त रहेंगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. 7 एवं 14 जुलाई को छूटने वाली ट्रेन संख्या 22909 वलसाड-पुरी एक्सरप्रेस
2. 10 एवं 17 जुलाई को छूटने ट्रेन संख्या 22910 पुरी-वलसाड एक्समप्रेस
3. 9 एवं 16 जुलाई को छूटने ट्रेन संख्या 20971 उदयपुर-शालीमार एक्स्प्रेस
4. 10 एवं 17 जुलाई को छूटने ट्रेन संख्या 20972 शालीमार-उदयपुर एक्ससप्रेस

टाटा मोटर्स ने अपनी स्मार्ज्ट पिक-अप इंट्रा के 1 लाख खुशहाल ग्राहक का आंकड़ा छुआ

मुंबई, 5 जुलाई, 2022ः भारत में वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी स्माएर्ट पिक-अप, इंट्रा के 1 लाख खुशहाल ग्राहकों का आंकड़ा छू लिया है। कंपनी इस बड़ी उपलब्धि का जश्न मना रही है क्योंनकि इंट्रा ने मई 2019 में अपने लॉन्चख के बाद केवल तीन वर्षों में अपने सेगमेंट में सबसे तेजी से इस उपलब्धि को हासिल किया है । इंट्रा को प्रीमियम टफ डिजाइन फिलोसॉफी पर बनाया गया है और यह ज्यांदा लोड उठाने की क्षमता और ड्राइविंग के लिहाज से बेहतर गाड़ी तलाश रहे ग्राहकों की जरूरतों से पूरी तरह मेल खाती है। पिछले तीन सालों में, इंट्रा अपने बेहतरीन ड्राइविंग कम्फहर्ट, फ्यू ल इकोनॉमी के लिए अपने सेगमेंट में काफी लोकप्रिय है और शानदार ग्राहक अनुभव देती है।

इस उपलब्धि पर अपनी बात रखते हुए, टाटा मोटर्स की एससीवी एंड पीयू प्रोडक्टर लाइन के वाइस प्रेसिडेंट श्री विनय पाठक ने कहा, ''इंट्रा के 1 लाख ग्राहक होने की यह उल्लेरखनीय उपलब्धि हमारे लिये बड़े गर्व और खुशी का पल है। इंट्रा की भारी लोकप्रियता अपने सेगमेंट में गेम-चेंजिंग वाहन के तौर पर इसकी सुदृढ़ स्थिति और हमारे ब्रांड में दिखाए गए ग्राहकों के भरोसे का प्रमाण है। टाटा मोटर्स ने हमेशा ग्राहकों को अपने सभी प्रयासों के केन्द्रह में रखा है और टाटा इंट्रा भी इस मामले में अलग नहीं है; इसे बिजनेस से ज्याशदा फायदा कमाने और परिचालन की लागत कम रखने की ग्राहकों की आकांक्षाओं का ध्याइन रखकर तैयार किया गया है। हम उन सभी ग्राहकों के प्रति दिल से अपना आभार व्यकत्तक करते हैं, जो पिछले तीन वर्षों से इस यात्रा में हमारे साथ हैं।''

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95